पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

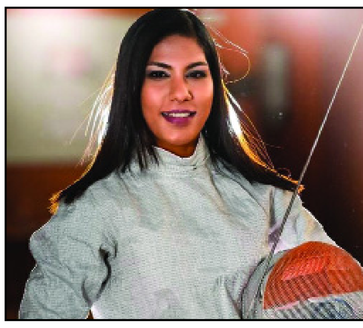

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 303

ग्वालियर, सोमवार, 27 दिसम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

ओडिशा में भी पैर पसार रहा ओमीक्रोन, चार और संक्रमित

भुवनेश्वर। विदेश से ओडिशा लौटे चार व्यक्ति कोरोना वायरस के ओमीक्रोन से संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य सेवा निदेशक विजय महापात्र ने बताया कि मरीजों में से दो नाइजीरिया से लौटे हैं जबकि अन्य दो संयुक्त अरब अमीरात से आए हैं। उन्होंने बताया इसके साथ ही राज्य में ओमीक्रोन के मामलों की संख्या आठ हो गई। ओडिशा में सबसे पहले 21 दिसंबर को नाइजीरिया और कतर से लौटे दो व्यक्ति नए स्वरूप से संक्रमित पाए गए थे। अधिकारी ने बताया कि नए मरीजों में से एक व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार 'जोखिम वाले% देशों से लौटे सभी यात्रियों और अन्य देशों से लौटे यात्रियों की जांच की जा रही है और उनके नमूने को आनुवंशिकी अनुक्रमण के लिए भेजा जा रहा है।

कोर्ट ब्लास्ट के बाद पुलिस को मिली लुधियाना को उड़ाने की धमकी

लुधियाना। लुधियाना के कोर्ट काम्पैल्कस में बम ब्लास्ट होने के बाद जहां लोगों में काफी दहशत फैली हुई है वहीं एक व्यक्ति द्वारा दी गई धमकी ने चंडीगढ़ और लुधियाना पुलिस की नींद उड़ा दी है। दरअसल एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ कंट्रोल रूम (डॉयल 112) पर कॉल करके कहा कि लुधियाना की अदालत में बम ब्लास्ट हुआ है, अब चंडीगढ़ में सिरियल बम धमाके होंगे। बताया जा रहा है कि इस कॉल के बाद पुलिस की नींद उड़ गई है। जांच करती हुई पुलिस नंबर को ट्रेस करते हुए पुलिस टिब्बा के इलाके में पहुंच गई, जहां शनिवार को मुलजिम को काबू कर लिया गया। पकड़े जाने के बाद पता लगा कि मुलजिम चन्द्रलोक कालोनी का राजीव कुमार पप्पू है, जिसने शराब के नशे में दहशत फैलाने के लिए कॉल की थी पुलिस ने मुलजिम खिलाफ अब केस दर्ज कर लिया है। यह मामला शुक्रवार देर रात का है।

भाजपा में शामिल शहनाज गिल के पिता पर फ़ायरिंग

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह जोकि कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे, पर जानलेवा हमला हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संतोख सिंह पर गत रात कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फायरिंग की गई। हमले में उनकी जान बाल-बाल बच गई, इस घटना के बाद इलाके में काफी दहशत है। जानकारी के अनुसार गत रात्रि संतोख सिंह अपने ड्राइवर के साथ कार में घर लौट रहे थे कि कुछ लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। उन्होंने और उनके ड्राइवर ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। संतोख सिंह ने कुछ दिन पहले ही भाजपा ज्वाइन की है। बताया जा रहा है कि उन्हें खडूर साहिब से टिकट मिल सकती है। इसलिए इस हमले के पीछे कोई राजनीति रंजिश थी या निजी रंजिश इस बारे में पुलिस जांच के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

पंजाब में किसानों का रेल रोको आंदोलन जारी

अमृतसर। किसान मजदूर संघर्ष समिति पंजाब के जनरल सकत्तर श्रवण सिंह पंधेर, राज्य दफ्तर सकत्तर गुरबचन सिंह चब्बा, रणजीत सिंह कलेरबाला ने रेल रोको आंदोलन के 7वें दिन रेलवे ट्रैक देविदासपुर में जलसा को संबोधन करते कहा कि आए दिन खुदकुशी कर रहे किसान मजदूरों की जान बचाई जा सकती हैं। पंजाब में बेरोजगारी, नशे व अन्य बहुत से मसले हल करवाना अभी बाकी हैं इन्हें संघर्ष कर ही हल करवाया जा सकता है। नेताओं ने कहा कि जत्थेबंदी अपने विधान अनुसार चुनावों में हिस्सा नहीं लेगी। नेताओं ने आगे बताया कि कुछ मांगें सरकार लागू कर रही है और बाकी मांगों पर संघर्श जारी है। आज जत्थेबंदी की तरफ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के दिए बयान कि वह एक कदम पीछे हटे हैं, कुछ समय बाद दोबारा आगे बढ़ेंगे और काले कृषि कानून दोबारा लाने के बयान का सख्त शब्दों में विरोध किया और रेलवे ट्रैक पर नरेंद्र तोमर का पुतला फूंका। साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि सरकार दोबारा कृषि विरोधी कदम उठाने के सपने न लें देश भर के किसान मजदूर इन कानूनों के खिलाफ डट कर खड़े हैं और सरकार के लोक के यह इरादे कामयाब नहीं होने देंगे।

स्मृति ने शेयर की बेटी की सगाई की खबर, होने वाले दामाद का मजेदार अंदाज में किया स्वागत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने 25 दिसंबर को इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी बेटी शैनेल की सगाई का ऐलान किया और बेटी और होने वाले दामाद की तस्वीरें साझा की हैं। स्मृति ईरानी के होने वाले दामाद का नाम अर्जुन भल्ला है। इस पोस्ट पर बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई दी है। स्मृति ने इस पोस्ट के जरिए अपने होने वाले दामाद को मजेदार तरीके से दो चेतावनियां भी दी हैं। स्मृति ने लिखा-उस शख्स के लिए, जिसके पास अब हमारा दिल है।

किसानों पर मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया: तोमर

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों पर अपने बयान से मचे बवाल के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अब सफाई पेश की है। उन्होंने कहा उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया है। केंद्रीय मंत्री तोमर ने नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कृषि कानूनों को नए रूप में फिर लागू करने संबंधी बयान दिया था। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के बाद कृषि कानूनों को फिर लागू करने की साजिश करने की आशंका जताई थी। अपने ताजा बयान में कृषि मंत्री ने कहाकि मैंने कहा था कि सरकार ने एक बढ़िया कानून बनाया था। हमने कुछ वजहों से इस कानून को वापस ले लिया। नरेंद्र तोमर ने कहाकि मैंने कहा था कि सरकार आगे भी किसानों की बेहतरी के लिए काम करती रहेगी। उधर तोमर के बयान के बाद सियासी हलकों में जबर्दस्त प्रतिक्रिया हुई। कांग्रेस पार्टी ने तो इसे साजिश करार दे दिया।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानूनों को आजादी के बाद लाया गया बड़ा सुधार करार दिया था। साथ ही उन्होंने संकेत दिया था कि सरकार इन कानूनों को वापस ला सकती है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में आयोजित कृषि उद्योग प्रदर्शनी एग्रोविजन का उद्घाटन करने के बाद वह कार्यक्रम को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश का आज भी अभाव है। हम कृषि सुधार कानून लेकर आए थे। कुछ लोगों को यह रास नहीं आया, लेकिन वह 70 वर्षों की आजादी के बाद एक बड़ा सुधार था, जो नरेंद्र मोदी की सरकार के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा था। उन्होंने आगे कहा था कि लेकिन सरकार निराश नहीं है। हम एक कदम पीछे हटे हैं, आगे फिर बढ़ेंगे। क्योंकि देश का किसान हिंदुस्तान की रीढ़ की हड्डी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तोमर के बयान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी का अपमान करार दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार के इस दिशा में आगे बढ़ने पर सत्याग्रह की चेतावनी तक दे डाली थी। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को पराजित कर उसे सबक सिखाने की लोगों से अपील की थी।

लौटे जरूर हैं, लेकिन फिर दिल्ली आने में देर नहीं लगेगी

चंडीगढ़। देश के कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के कृषि कानूनों की वापसी को लेकर दिए गए बयान पर किसान भड़क गए हैं। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि दिल्ली से लौटे जरूर हैं, लेकिन उन्हें वापस आने में देर नहीं लगेगी। नरेंद्र तोमर ने कहा था कि देश की आजादी के बाद एक बड़ा फैसला लिया गया था. हम एक कदम ही पीछे हटे हैं, सरकार फिर आगे बढ़ेगी। महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक समागम में कृषि मंत्री तोमर ने अपने बयान में कहा कि देश की आजादी के बाद किसानों को और भी ऊंचा मुनाफा दिलाने के मकसद से कानून लाए गए थे। यह एक बड़ा सुधार था। हम एक कदम पीछे हटे हैं। फिर सरकार आगे बढ़ेगी। खेती में बदलाव की जरूरत है।इस पर किसान नेता जगतार सिंह ने कहा कि हम दिल्ली से लौटे हैं लेकिन वापस आने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा अगर हमारे किसान नेताओं ने एक आवाज दे दी, तो चाहे फिर दिल्ली हो या महाराष्ट्र, लाखों किसान फिर से वहां पहुंच जाएंगे। हमउन कानूनों को लागू नहीं होने देंगे, जो किसानों के हित में नहीं हैं। एक और किसान नेता हरजीत सिंह बोले कि पूरा देश जागरूक हो चुका है और कृषि मंत्री का यह बयान देना सही नहीं है. किसान अपने हक के लिए लड़ने से पीछे नहीं हटेगा। दूसरी ओर कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मेरी बात को गलत तरीके से पेश किया गया। तोमर ने अपनी सफाई में कहा कि भारत सरकार ने अच्छे कानून बनाए थे, अपरिहार्य कारणों से हमने उसे वापस लिया है। केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए आगे भी काम करती रहेगी। कृषि मंत्री से जब यह सवाल किया गया कि आपने कहा था कि अभी एक ही कदम पीछे हटे हैं और सरकार नया कानून लाएगी तो उन्होंने कहा मैंने ऐसा नहीं कहा। इस बात को गलत मकसद से तूल दिया जा रहा है।

कृषि मंत्री तोमर के बयान पर राहुल गांधी का पलटवार, कहा अगर फिर बढ़े कदम तो होगा सत्याग्रह

नई दिल्ली। करीब एक साल तक कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों के चला आंदोलन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा निरस्त किए जाने के बाद गए एक बार फिर यह मुद्दा गरमाता दिखाई दे रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि कानूनों के विषय पर एक बयान दिया था। जिस पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर फिर से कृषि विरोधी कदम आगे बढ़ाए तो फिर से अन्नदाता सत्याग्रह होगा। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में लिखा कि देश के कृषि मंत्री ने मोदी जी की माफ़ी का अपमान किया है- ये बेहद निंदनीय है। अगर फिर से कृषि विरोधी कदम आगे बढ़ाए तो फिर से अन्नदाता सत्याग्रह होगा- पहले भी अहंकार को हराया था, फिर हराएंगे! केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवादास्पद कृषि कानूनों को आजादी के बाद लाया गया एक बड़ा सुधार करार दिया था। इस दौरान उन्होंने इसे फिर से लाने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में निजी निवेश का आज भी अभाव है। हम कृषि सुधार कानून लेकर आए थे। कुछ लोगों को यह रास नहीं आया। ...लेकिन वह 70 वर्षों की आजादी के बाद एक बड़ा सुधार था, जो नरेंद्र मोदी की सरकार के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार निराश नहीं है। हम एक कदम पीछे हटे हैं, आगे फिर बढ़ेंगे। क्योंकि हिंदुस्तान का किसान हिंदुस्तान की रीढ़ की हड्डी है।

कासगंज जनसभा में पहले लोग अपनी बेटियों को स्कूल भेजने से डरते : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कासगंज में भाजपा की जन विश्वास यात्रा रैली में शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि पहले लोग अपनी बेटियों को स्कूल और कॉलेज भेजने से डरते थे। 4.5

साल के अंदर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी से सारे गुंडे भाग गए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत माता के जयकारे से संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र भाजपा का गढ़ था, है और रहेगा। नारा दिया कि इस बार भाजपा 300 पार। शाह कहा कि कल्याण सिंह ने पहली बार उत्तर प्रदेश में सुशासन की बात कही थी। पहली बार उत्तर प्रदेश में पिछड़ों की बात की थी, पहली बार पिछड़ा समाज को अधिकार देने का काम कल्याण सिंह ने किया था। यही कल्याण सिंह जी थे, जब समय आया राम जन्मभूमि पर मंदिर बने या कुर्सी जाए तब उन्होंने दो मिनट में कुर्सी को ठुकराकर प्रभु श्रीराम के मंदिर का रास्ता साफ कर दिया था। शाह ने कहा कि यूपी में बुआ-बबुआ ने सरकारें चलाईं। क्या ये सभी का विकास कर पाईं? सपा के राज में आपका भला होता था क्या? बसपा के राज में विकास होता था क्या? वो नहीं कर सकते, ये जातिवादी पार्टियां हैं परिवारवादी पार्टियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले कानून व्यवस्था खराब हो गई थी।

सलमान खान को उनके फार्म हाउस पर सांप ने काटा

नई दिल्ली। सलमान खान को उनके पनवेल स्थित फार्म हाउस पर देर रात सांप ने कांट लिया। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात है कि उन्हें अस्पताल से छुटटी मिल

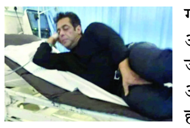

गई है। रविवार की सुबह करीब 9 बजे वह अपने फार्म हाउस पर लौट आए हैं। बताया जा रहा है कि अभी उनकी तबीयत ठीक है और वह खतरे से बाहर हैं। सलमान के फार्म हाउस के आस-पास काफी पेड़-पौधे हैं और यह इलाका चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ है जिसकी वजह से यह खतरा बना रहता है। रात के 3 बजे सलमान खान को मुंबई के कामोठे के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जानकारी के मुताबिक, सलमान खान अभी अपने फार्म हाउस पर आराम कर रहे हैं। बता दें कि क्रिसमस के मौके पर सलमान खान, उनके परिवार के सदस्य और दोस्त फार्म हाउस पर पहुंचे थे। तभी ये घटना हुई। 27 दिसंबर को सलमान खान का जन्मदिन भी है। ऐसे में अब इसकी संभावना कम ही है कि बर्थडे पर ग्रैंड सेलिब्रेशन होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान हाल ही में फिल्म 'अंतिम' में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ उनके बहनोई आयुष शर्मा की मुख्य भूमिका थी। इसके अलावा वह रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' होस्ट करते नजर आ रहे हैं।

टीकाकरण मुहिम में मिली अभूतपूर्व सफलता, ओमिक्रॉन से सतर्क रहने की जरूरत : मोदी

साल की आखिरी मन की बात में प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह की प्रेरक चिट्ठी का भी जिक्र किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इस जाते साल के आखिर में अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से देश की जनता से रूबरू हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने देशवासियों से कहा कि वे ओमिक्रॉन वैरिएंट को हल्के में न लें और कोरोना संबंधी सभी नियमों का पालन करें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह की उस चिट्ठी का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने औसत से असाधारण बनने का मंत्र दिया था। बता दें कि वरुण सिंह उसी हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए थे जिसमें देश के पहले सीडीएस

जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी का भी निधन हो गया था। पीएम मोदी ने बताया कि वह एक बार फिर से छात्रों के साथ परीक्षा पर चर्चा की प्लानिंग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जितना पुराना और पेंडिंग मटेरियल है, उसे हटाने के लिए मंत्रालयों और विभागों में विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इस अभियान से कुछ बड़ी ही रोचक चीजें हुई हैं। जब से सरकार ने पुराने तौर-तरीकों को बदलना शुरु किया है, ये फाइल्स और कागज के ढ़ेर डिजिटाइज होकर कंप्यूटर के फोल्डर में समाते जा रहे हैं। पीएम ने आगे कहा मुझे साफवाटर नाम से एक स्टार्टप के बारे में पता चला है जिसे कुछ युवाओं ने शुरु किया है, ये आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की मदद से लोगों को उनके इलाके में पानी की शुद्धता और क्वॉलिटी से जुड़ी जानकारी देगा।

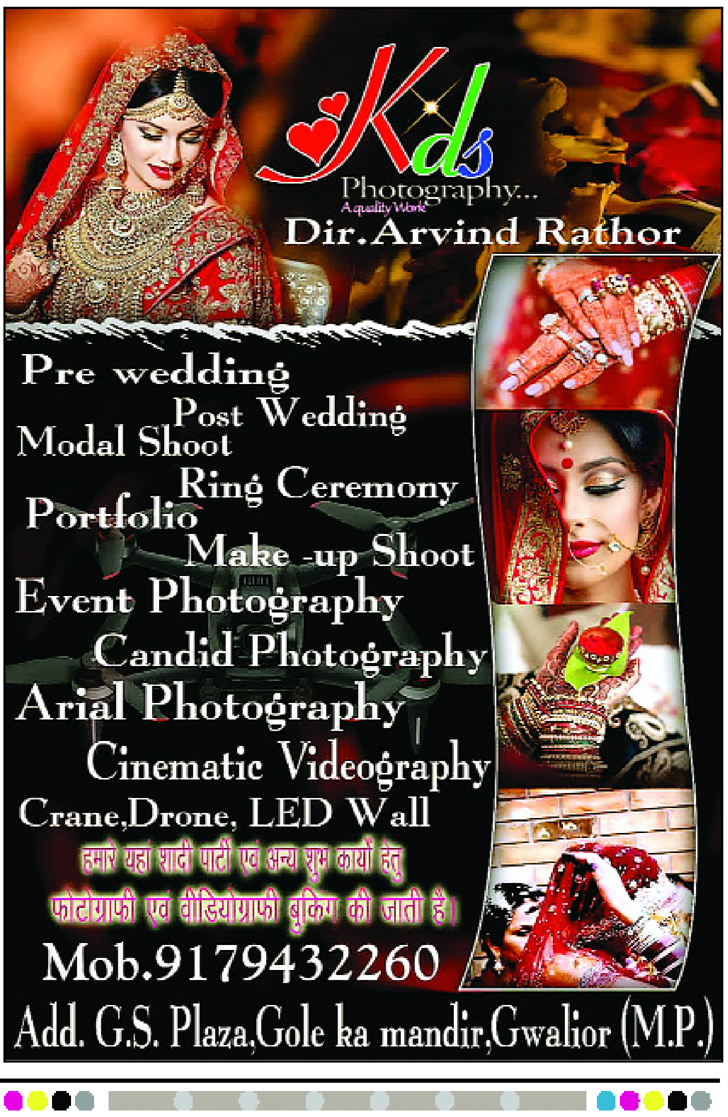

भारतीय क्रिकेट में उठे एक के बाद एक विवाद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय से एक के बाद एक विवाद उठे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के एकसाथ आने से लग रहा था कि यह थम जाएगा पर ऐसा नजर नहीं आ रहा है। हर दिन नये-नये प्रकार के विवाद सामने आ रहे हैं जिससे बीसीसीआई के साथ ही टीम प्रबंधन भी परेशान है। इससे टीम का प्रदर्शन प्रभावित होने के साथ ही खेल की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। बीसीसीआई के लिए यह तस्वीर अच्छी नहीं। गांगुली का प्रशासन अच्छा रहा है। राहुल द्रविड़ का व्यवहार सबको साथ लेकर चलने का है। हर टीम प्रबंधन की सोच अलग होती है। वह टीम को अपनी सोच और रणनीति के हिसाब से आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके बाद भी गांगुली, राहुल और रोहित के सुर अलग नजर आ रहे हैं। इससे युवा खिलाड़ियों में भी संशय फैल रहा है। इससे टीम में खेमेबाजी और गुटबाजी पनपने का भी खतरा है। यह सही है कि टीम इंडिया बदलाव के दौर से गुजर रही है, पर बार बदलाव आसान नहीं होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ यही हुआ। इसकी शुरुआत पूर्व कोच रवि शास्त्री के कोचिंग कार्यकाल समाप्त होने से हुई। विराट के इस घोषणा के साथ कि वह टी20 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट में टीम की कप्तानी नहीं करेंगे। इसे बाद बीसीसीआई ने अचानक ही विराट की जगह दक्षिण अफ्रीका सीरीज पर रोहित शर्मा को एकदिवसीय सीरीज की कप्तानी दे दी। इसको लेकर तर्क दिया गया था कि टी20 और एकदिवसीय के अलग-अलग कप्तान नहीं हो सकते। गांगुली ने इस मामले में कोहली से बात की थी। गांगुली ने कहा कि उन्होंने खुद विराट से बात कर उन्हें टी-20 की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन वह माने नहीं। इसके बाद चयनसमिति को लगा कि एकदिवसीय और टी-20 में दो अलग कप्तान ठीक नहीं। फैसला लिया गया कि कोहली के स्थान पर रोहित को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाए। गांगुली ने कहा कि इस बारे में विराट से बात कर ली गई थी।

कायदे से यहां विवाद समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन इसके बाद घटनाक्रम तेजी से बदले। सोमवार को खबर आई कि रोहित दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। उनके हैमस्ट्रिंग में चोट है। बात और बिगड़ी जब कोहली के वनडे सीरीज से हटने की बात सामने आने लगी। कहा गया कि कोहली अपनी बेटी के पहले जन्मदिन में शामिल होना चाहते हैं। इसपर पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी कहा कि कोहली के आराम से कोई तकलीफ नहीं है लेकिन टाइमिंग एक बड़ा मुद्दा है।

न्यूज़ ट्रैक....

आयरलैंड और अमेरिका सीरीज पर कोरोना का कहर

फ्लोरिडा । कोरोना वायरस दुनियाभर में अपना कहर बरपा रहा है और इसने खेल जगत को भी अपनी चपेट में ले लिया है। खेल जगत में क्रिकेट भी कोरोना की चपेट में है। ताजा मामला अमेरिका और आयरलैंड के बीच खेली जा रही व्हाइट बॉल सीरीज का है, जहां कोरोना ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। रिपार्ट के अनुसार, इस सीरीज में अंपायरिंग की टीम का एक मेंबर कोरोना पॉजिटिव पाया गया है, जिसके बाद दोनों टीमों के बीच रविवार होने वाला पहला वनडे मैच रद्द कर दिया गया है। पहला वनडे फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में खेला जाना था। यूएसए क्रिकेट ने एक बयान में कहा, यूएसए क्रिकेट क्रिकेट आयरलैंड और आईसीसी के साथ-साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीरीज के बाकी बचे मैच हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कैंप का एक नेट बॉलर भी पॉजिटिव पाया गया है। हालांकि वह अमेरिकी टीम का हिस्सा नहीं है। मेजबान टीम के क्रिकेट बोर्ड ने कहा के आयरलैंड और अमेरिका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाकी बचे दो मैच अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेले जाएंगे। ये मैच 28 और 30 दिसंबर को खेले जाएंगे।

द्रविड़ ने बताया, दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण

सेंचुरियन । टीम इंडिया रविवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। हेड कोच राहुल द्रविड़ का बतौर कोच यह पहला दौरा है। भारत ने द्रविड़ की कप्तानी में ही दक्षिण अफ्रीका में 2006 में पहली बार कोई टेस्ट मैच जीता था। भारतीय टीम अबतक एक बार भी दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है और इस बार भी यह आसान नहीं होने वाला है। हेड कोच द्रविड़ का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनके खिलाड़ी इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। द्रविड़ ने बीसीसीआई टीवी को दिए इंटरव्यू में बताया कि दक्षिण अफ्रीका में क्यों टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए एक बहुत ही अच्छा देश है। साथ ही यहां टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। यहां की परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण है। लेकिन हम यहां टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए काफी उत्साहित हैं। मेरी कई यादें दक्षिण अफ्रीका के साथ जुड़ी हुई है। मैंने अपना पहला टेस्ट शतक इसी देश में लगाया था। भारत ने मेरी ही कप्तानी में पहली बार यहां कोई टेस्ट मैच जीता था। लेकिन साथ ही यहां से कुछ खट्टी यादें भी रही है। हम 2003 वर्ल्ड कप फाइनल यहीं खेले थे, लेकिन हार गए थे। पिछले कुछ समय में हमने यहां अच्छे दोस्त भी बनाए हैं।

इस साल लेग स्पिनर्स का रहा दबदबा

नई दिल्ली । साल 2021 खत्म होने को है। टी-20 फॉर्मेट में इस साल एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिले। कहने को तो फटाफट क्रिकेट बल्लेबाजों का खेल कहा जाता है, लेकिन इस साल गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से खूब वाहवाही लुटी। इस साल हुए टी-20 वर्ल्ड कप में तो गेंदबाजों ने कई मैचों के नतीजे पलटे थे। हालांकि, बल्लेबाजों की तरह बॉलिंग डिपार्टमेंट में भी भारतीय टीम फिसड्डी साबित हुई। टीम का एक भी गेंदबाज टॉप-10 को छोड़िए टॉप-20 तक में जगह नहीं बना सका।

पाकिस्तानी लेग स्पिनर शादाब खान सिडनी सिक्सर्स से जुड़े

सिडनी । पाकिस्तानी लेग स्पिनर शादाब खान बिग बैश लीग-11 के शेष सीजन के लिए दो बार के गत चैम्पियन सिडनी सिक्सर्स के साथ जुड़ चुके हैं। शादाब विदेशी खिलाड़ी के रूप में सिक्सर्स में शामिल हुए हैं। शादाब खान को बीच सीजन में इसकारण टीम के साथ जोड़ा गया है,क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर बेन मैनेंटी के गर्दन में चोट लगाने से वह बाहर हो गए हैं। 23 वर्षीय शादाब ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान के लिए पदार्पण किया है। शादाब के नाम पाकिस्तान के लिए खेलते हुए 64 टी20 मैच में 7.11 की इकॉनमी रेट से 73 विकेट लिए हैं। वहीं उन्होंने 136.81 के स्ट्राइक रेट से टी20 में रन भी बनाएं पर उनका औसत सिर्फ 18.33 का है। सिक्सर्स के मुख्य कोच ग्रेग शिपर्ड ने कहा कि वह शादाब के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। शादाब हमारे साथ चोटिल हुए गेंदबाजों के लिए कवर के रूप में शामिल हुए हैं।लॉयड पोप और टॉड मर्फी (दोनों ऑस्ट्रेलियाई) में दो अन्य युवा और रोमांचक स्पिनरों के साथ टीम में आएंगे। शिपर्ड ने कहा कि तीनों युवा अभी भी अपना शिल्प सीख रहे हैं, लेकिन विभिन्न स्तरों पर दिखाया है कि वे विश्व स्तरीय हो सकते हैं। हम खेल के तीनों पहलुओं में शादाब के कौशल का स्वागत करते हैं और आने वाले मैचों में उन्हें मौका मिलने का इंतजार नहीं कर सकते।

आशीष दुबे / 26 दिसंबर 2021

अब सियासी पिच पर उतरेंगे हरभजन

जालंधर । इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हरभजन सिंह अब पंजाब में सियासी पिच पर दमखम दिखाएंगे। 23 साल तक क्रिकेट की दुनिया में 'टर्बनेटर' नाम से मशहूर रहे भज्जी के पंजाब में कांग्रेस पार्टी जॉइन करने की चर्चा है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान नवजोत सिद्धू 9 दिन पहले ही हरभजन सिंह के साथ फोटो ट्वीट कर इसका संकेत दे चुके हैं। हरभजन संन्यास की घोषणा के बाद शनिवार को जालंधर आएंगे। हरभजन सिंह मूलतः जालंधर शहर के रहने वाले हैं। उनका परिवार जालंधर की पॉश कॉलोनी छोटी बारादरी में रहता है। इंटरनेशनल क्रिकेट में उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए पंजाब सरकार ने ही बतौर पुरस्कार इस कॉलोनी में हरभजन सिंह को प्लॉट दिया। यहीं उन्होंने अपनी कोठी बनवाई। भज्जी का परिवार इससे पहले जालंधर के ही काजी मंडी इलाके में रहता था। हरभजन के पिता का निधन वर्ष 2000 में हो गया था। परिवार में उनकी मां के अलावा 5 बहनें हैं जिनकी शादी हो चुकी है। बॉलीवुड अभिनेत्री गीता बसरा के साथ शादी के बाद हरभजन सिंह अपने बच्चों के साथ ज्यादातर समय मुंबई में ही रहते हैं। अपनी ऑफ ब्रेक स्पिन गेंदों से दुनियाभर के बल्लेबाजों की गिल्लियां बिखेरने वाले हरभजन सिंह कोरोना काल में जालंधर में रहने वाले बेसहारा लोगों की मदद कर चुके हैं। महामारी के दौरान उन्होंने 5 अप्रैल 2020 को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा, सतनाम वाहेगुरु। बस हिम्मत हौसला देना। गीता बसरा और मैंने संकल्प लिया है कि हम आज से 5000 ऐसे परिवारों को राशन देंगे जो अपना पेट नहीं भर पा रहे। वाहेगुरु सबकी रक्षा करें।

एसएस/ 25दिसम्बर

भवानी देवी 2022 में चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेगी

नई दिल्ली । ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय फेंसर (तलवारबाज) भवानी देवी 2022 में चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की तैयारी में हैं। इसके मद्देनजर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर ने प्रतियोगिताओं में भवानी की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) प्रणाली के तहत कुल 8.16 लाख रुपए की राशि को स्वीकृत दी है। टोक्यो खेलों में राउंड ऑफ 32 के मैच में हारने से पहले व्यक्तिगत सेबर मैच का पहला राउंड जीतने वाली भवानी चार जनवरी से जॉर्जिया के त्बिलिसी में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगी और फिर इसी शहर में 14 से 16 जनवरी तक अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग फेडरेशन विश्व कप में भाग

लेंगी। इसके बाद वह 28 से 29 जनवरी तक बुल्गारिया के प्लोवदीव में होने वाले विश्व कप में भाग लेंगी।

वर्तमान में व्यक्तिगत महिला सेबर श्रेणी में विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर कायम हैं। भवानी फिर ग्रीस और बेल्जियम में क्रमशःचार और पांच मार्च तथा 18 और 19 मार्च को विश्व कप में भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस साल की शुरुआत में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए मार्च 2022 तक फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) के लिए तीन करो? रुपए की एसीटीसी राशि को मंजूरी दी थी।

दरअसल एसीटीसी प्रणाली के तहत भारत सरकार सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों के दीर्घकालिक अनुमानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/ शिविरों और एथलीट प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची को देखने के बाद हर वित्तीय वर्ष उन्हें अनुदान जारी करती है।

आशीष दुबे / 26 दिसबंर 2021

अजिंक्य रहाणे के टवीट पर रोहित ने लिखा 'अबे चल रे'

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका दौरे पर है। दोनों टीम के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट रविवार से सेंचुरियन में खेला जाना है। इसके बाद वे 19 जनवरी से वनडे सीरीज खेलने वाले है। सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया की प्रैक्टिस भी चल रही है। प्रैक्टिस के अलावा भारतीय खिलाड़ी भी थोड़ी मौज-मस्ती भी करते नजर आ रहे हैं। खिलाड़ियों ने इन मौज-मस्ती के कुछ फोटोज और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। टीम इंडिया के टेस्ट पूर्व उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी सोशल मीडिया पर मौज-मस्ती की फोटो शेयर किया है। रहाणे ने अपने साथी खिलाड़ियों के साथ वाली फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। फोटो पर रोहित शर्मा ने मजेदार कमेंट किया है। हिटमैन का यह कमेंट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। रहाणे ने जो फोटो शेयर किया है, उसमें उनके साथ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन, चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज उमेश यादव नजर आ रहे हैं। रहाणे ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, टॉप के लोगों के साथ अच्छा समय । इस पर कमेंट करते हुए रोहित ने लिखा- 'अबे चल रे'।

बात दें कि सलामी बल्लेबाज रोहित चोट के चलते दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट

व्यापार न्यूज

कास्टिक सोडा का आयात आसान नहीं होगा, सरकार डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की तैयारी में

मुंबई । आने वाले दिनों में कास्टिक सोडा का आयात आसान नहीं होगा।दरअसल,वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने घरेलू कंपनियों को सस्ते आयात से बचाने के लिए जापान, ईरान, कतर और ओमान से आने वाले विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले कास्टिक सोडा पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच में पाया कि रसायन का भारत को निर्यात काफी कम मूल्य पर किया गया, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ है।इस देखकर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। डीजीटीआर ने अधिसूचना में कहा है, प्राधिकरण इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से जापान, ईरान, ओमान और कतर से माल के सभी आयातों पर पांच वर्षों की अवधि के लिए निश्चित डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझता है। बता दें कि डीजीटीआर ने अल्काली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की शिकायत के बाद जांच की थी। शिकायत में जांच का अनुरोध किया गया था। वित्त मंत्रालय शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय करता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सप्ताहांत पर कच्चे तेल में तेजी के बावजूद र?विवार को लगातार 52 वें दिन देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में वैट कम किए जाने के कारण भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल के दाम 86.67 रुपए प्रति लीटर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 74.13 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.46 प्रतिशत उटरकर 71.45 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं। देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे- दिल्ली में पेट्रोल 95.41 रुपए प्र?ति?लिटर, डीजल 86.67 रुपए प्र?ति ???लिटर, मुंबई पेट्रोल 109.98 रुपए प्र?ति?लिटर, डीजल 94.14 रुपए प्र?ति?लिटर, चेन्नई पेट्रोल 101.40 रुपए प्र?ति?लिटर, डीजल 91.43 रुपए प्र?ति?लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 104.67 रुपए प्र?ति?लिटर, डीजल 89.79 रुपए प्र?ति?लिटर है।

दस कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का बाजार पूंजीकरण 1,01,145.09 करोड़ रुपए बढ़ा, जिसकी अगुवाई टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने की। समीक्षाधीन अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और विप्रो लाभ में रहे, जबकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में गिरावट हुई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 30,720.62 करोड़ रुपए बढ़कर 13,57,644.33 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 21,035.95 करोड़ रुपए जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 16,04,154.56 करोड़ रुपए हो गया। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,656.95 करोड़ रुपए बढ़कर 7,83,779.99 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16,000.71 करोड़ रुपए बढ़कर 5,40,053.55 करोड़ रुपए हो गया। विप्रो का बाजार पूंजीकरण 15,730.86 करोड़ रुपए बढ़कर 3,82,857.25 करोड़ रुपए हो गया। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,619.95 करोड़ रुपए घटकर 7,97,609.94 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 15,083.97 करोड़ रुपए घटकर 4,58,838.89 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,727.82 करोड़ रुपए घटकर 4,07,720.88 करोड़ रुपए रह गया।

दो एविएशन कंपनियों में होंगी कर्मचारियों की भर्ती

नई दिल्ली । कोविड की मार से सबसे ज्यादा प्रभावित सेक्टर्स में से एक एविएशन इंडस्ट्री के लिए नया साल नए बदलाव लेकर आने वाला है। एक ओर राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली आकासा एयर उड़ान भरने वाली है। दूसरी ओर जेट एयरवेज नए अवतार में वापसी करने वाली है। ऐसे में दोनों विमानन कंपनियों द्वारा नियुक्ति गतिविधियां तेज किए जाने की खबर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पायलट समेत अन्य कर्मचारियों की भर्ती की जा सकती है। नागर विमानन मंत्रालय ने 11 अक्टूबर को भारत में आकासा एयर के परिचालन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया था। इसके बाद कंपनी ने एओपी के लिए आवेदन किया। आकासा एयर को अप्रैल 2022 तक एयर ऑपरेटर का परमिट (एओपी) प्राप्त हो सकता है। आकासा एयर की योजना 2022 की गर्मियों से अपनी विमानन सेवाएं शुरू करने की है। जेट एयरवेज 2.0 के अगले साल जुलाई-सितंबर तिमाही में ऑपरेशन शुरू करने की उम्मीद है।

प्रोटीन ईगोव ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी प्रोटीन इगोव टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। इस कंपनी का नाम पहले एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर था। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 1.2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश का प्रस्ताव शामिल है।

जनवरी में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की सूची

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनवरी 2022 के लिए बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है। जनवरी 2022 में बैंक 16 दिन बंद रहने वाले हैं। इनमें दूसरे व चौथे शनिवार और रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। जनवरी 2022 में 5 रविवार पड़ रहे हैं। अगले साल जनवरी महीने में न्यू ईयर सेलिब्रेशन, मकर संक्रांति, स्वामी विवेकानंद जयंती, गणतंत्र दिवस जैसे कई अवसर हैं, जिन पर बैंकों में छुट्टी रहेगी। हालांकि जनवरी माह में देश में हर जगह बैंक 16 दिन बंद रहेंगे। माह में पड़ रही कुछ त्योहार किसी राज्य या क्षेत्र विशेष से संबंधित हैं।

ये है छुट्टियों की सूची

1 जनवरी न्यू ईयर्स डे पर आइजोल, शिलांग, चेन्नई और गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। 2 जनवरी रविवार, - 3 जनवरी न्यू ईयर्स सेलिब्रेशन/लासूंग (आइजोल और गंगटोक में बैंक बंद) 4 जनवरी- लासूंग (गंगटोक में बैंक बंद) 8 जनवरी- माह का दूसरा शनिवार, - 9 जनवरी रविवार, 11 जनवरी मिशनरी दिवस (आइजोल में बैंक बंद), 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती (कोलकाता में बैंक बंद), 14 जनवरी- मकर संक्रांति/पोंगल (अहमदाबाद और चेन्नई में बैंक बंद), 15 जनवरी: उत्तरायण पुण्यकाल मकर संक्रांति पर्व/माघे संक्रांति/संक्रांति/ पोंगल/थिरूवल्लूवर दिवस (बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, गंगटोक में बैंक बंद), 16 जनवरी- रविवार।

टेलिकॉम कंपनियां दो साल तक रख सकेंगी ग्राहकों का कॉल डेटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सुरक्षा कारणों के चलते ग्राहकों के कॉल डेटा और इंटरनेट उपयोग रिकॉर्ड को संग्रहीत करने की अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष कर दी है। लाइसेंस में संशोधन 21 दिसंबर को जारी किए गए थे और 22 दिसंबर को दूरसंचार परमिट के अन्य रूपों के लिए बढ़ा दिए गए थे। डीओटी के सर्कुलर में कहा गया है ?कि लाइसेंस धारक, सभी व्यावसायिक रिकॉर्ड, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, एक्सचेंज डिटेल रिकॉर्ड, आईपी डिटेल रिकॉर्ड के साथ-साथ नेटवर्क पर हुए संवाद के रिकॉर्ड को सुरक्षित रखेंगे। इस तरह के रिकॉर्ड सुरक्षा कारणों से कम से कम दो वर्ष के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे। यदि इसके बाद डीओटी से कोई निर्देश नहीं मिलता है तो दूरसंचार कंपनियां संग्रहीत डेटा को नष्ट कर सकती हैं। यह संशोधन दूरसंचार कंपनियों को सब्सक्राइबर के इंटरनेट डेटा रिकॉर्ड्स को कम से कम दो साल तक मेंटेन करने की अनुमति देता है।

सोया खली पर स्टॉक रखने की सीमा तय

नई दिल्ली । कृषि जिंसों के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध और दलहन के मुक्त आयात की अनुमति मार्च 2022 तक बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार ने सोया खली के स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है, जिससे इसकी कीमतों पर काबू पाया जा सके। उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने एक सर्कुलर में कहा है कि सोया खली के मिलर, प्रॉसेसर या संयंत्र अपने उत्पादन के 90 दिन के बराबर स्टॉक रख सकते हैं, वहीं ट्रेडर और ट्रेडिंग कंपनी सिर्फ 160 टन सोयाखली भंडारण केंद्रों पर रख सकते हैं।

फरवरी 2022 तक 45 कंपनियां ला सकती हैं अपना आईपीओ

नई दिल्ली । साल 2021 की तरह अगला साल भी आईपीओ के लिहाज से सुपर हिट होगा है। फरवरी 2022 तक 45 कंपनियां अपने इश्यू ला सकती हैं। इसमें स्टार्टअप का भी समावेश होगा।2022 में सबसे बड़ा आईपीओ एलआईसी का होगा। हालांकि इसके इश्यू पर अभी भी कोई समय सीमा तय नहीं है। सरकार की कोशिश है कि मार्च से पहले इस लाया जाए। पर अभी तक इसका वैल्यूएशन और अन्य प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही ओला, बायजू, ओयो जैसे स्टार्टअप भी बाजार में उतरने की तैयारी में है। एलआईसी 80 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। डेलहीवरी ने सेबी के पास मामले में पेपर जमा करा दिया है। देश में इस साल कुल 79 यूनिकॉर्न थे। इसमें से 42 यूनिकॉर्न तब अकेले इसी साल बने हैं। स्टार्टअप के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है। यहां पर वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स और नए उद्यमी लगातार यूनिकॉर्न स्टार्टअप बना रहे हैं। इस साल बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली तीन कंपनियां बाजार में उतरी थीं। इसमें मेट्रो ब्रांड, नजारा और स्टार हेल्थ थीं। नजारा को छोड़कर दो कंपनियों ने निवेशकों को घाटा दिया है।

जल-जीवन मिशन के सभी कार्य उचित गुणवत्ता के साथ हो: केन्द्रीय मंत्री तोमर

मुरैना। केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि जल-जीवन मिशन के तहत सभी कार्य उचित गुणवत्ता के साथ हों, मिशन में एक भी गांव, मजरा, टोला छूटे नहीं। जल-जीवन मिशन के तहत वर्ष 2023 तक घर-घर नल कनेक्शन करके पानी पहुंचाना है। कलेक्टर लगातार रिव्यू करते रहें। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण कमेटी (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पूर्व मंत्री रूस्तम सिंह मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुये केन्द्रीय कृषि विकास, किसान कल्याण एवं क्षेत्रीय सांसद नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि जल-जीवन मिशन के कार्यो पर निगरानी रखने के लिये जनप्रतिनधियों सहित जल समितियां बनाकर कार्यो को रख-रखाव करें। उन्होंने कलेक्टर बी.कार्तिकेयन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये कि शत-प्रतिशत गांवों की डीपीआर बनाकर उनका अनुमोदन कराके शत-प्रतिशत टेण्डर हो जाये। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जल-जीवन मिशन के इन्फाट्रेक्चर में लगने वाली सामग्री उचित गुणवत्ता की हो। घटिया काम बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हल्का मटेरियल नहीं होना चाहिये, इसका फिजिकल टेस्ट हो। काम के बाद लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर मंत्री श्री तोमर ने निर्देश दिये कि जल-जीवन मिशन और जल निगम द्वारा किये जा रहे कार्यो के नॉमर्स और गाइडलाइन सभी के सामने रखकर जन प्रतिनिधियों की मंशा के अनुरूप गाइडलाइन और का नॉमर्स के अनुरूप काम हो। जितने चरणों तक हमारी सीमा है, उतरे चरणों में काम करके गांव को जोड़ें। जल-जीवन मिशन वृहद परियोजना है, इस पर प्रथम चरण में जिले को 744 करोड़ रूपये स्वीकृत हुये है। पूरे मध्यप्रदेश में यह 6 लाख करोड़ रूपये की योजना है। मौके पर जौरा विधायक सूवेदार सिंह रजौधा ने जल-जीवन मिशन के घटिया काम होने, सीसी, खरंजा खोदकर लाइन नहीं डालने, नल-जल योजनाओं को चालू नहीं करने, तिलावली, कन्हाल की टंकी कोल्टी ठीक नहीं होने, जल-जीवन मिशन का मात्र 10 प्रतिशत लोगों को लाभ मिलने की समस्याओं से अवगत कराया। मुरैना विधायक राकेश मावई ने सुझाव दिया कि सरपंच, जनपद सीईओ के प्रमाणीकरण पर ही ठेकेदार को भुगतान किया जाये। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने कहा कि जौरा विधायक द्वारा की गई शिकायत पर उनको साथ लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ विजिट की जायेगी। उनके द्वारा बताई गई एक-एक चीज को देखा जायेगा, कहां-कहां गलत हुई है, उसे पूरा किया जायेगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि किसी के साथ भी पक्षपात नहीं होना चाहिए। पूरी ईमानदारी के साथ मिशन का काम पूरा किया जाए।

सभी ऑक्सीजन प्लांट सहित अन्य उपकरण चालू रहें व हर बैड पर ऑक्सीजन पहुंचे

-केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने की ओमिक्रॉन के तेजी से बढ़ते खतरे को देखते हुये तैयारियों की समीक्षा

मुरैना। कोविड (ओमिक्रॉन) के तेजी से बढ़ते खतरे को देखते हुये इससे पूरी तरह से निपटने के लिये केन्द्रीय कृषि विकास, किसान कल्याण मंत्री और क्षेत्रीय सांसद नरेन्द्र सिंह तोमर ने विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोविड की तीसरी लहर आने से पूर्व हमारी समस्त तैयारियां शत-प्रतिशत पूर्ण हो जायें। सभी ऑक्सीजन प्लांट सहित अन्य उपकरण चालू रहें। हर बैड पर ऑक्सीजन पहुंचे, इसके लिये हम स्वयं जिम्मेदार रहें। हमारी निगरानी पूरी तरह से होना चाहिये। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर रविवार को जिला क्रायसिस मैनेजमेन्ट कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री एवं जिला क्रायसिस मैनेजमेन्ट समिति के सदस्यों को कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने अवगत कराया कि जिले में 14 लाख 45 हजार 844 पापुलेशन में से 13 लाख 22 हजार 522 लोगों को प्रथम डोज जो लक्ष्य का 91.47 प्रतिशत है। इसी तरह 13 लाख 4 हजार 852 लोगों को अब तक द्वितीय डोज वैक्सीन का लग चुका है, जो 90.25 प्रतिशत है। शेष रहे 17 हजार 670 लोगों को सेकेण्ड डोज लगाने की प्रक्रिया चल रही है। इसमें कई लोग आउट ऑफ स्टेशन है। कलेक्टर ने बताया कि 800 लोगों की प्रतिदिन टेस्टिंग की क्षमता है। फस्टवेब में 3 लाख 33 हजार 142 लोगों की टेस्टिंग की गई और द्वितीयबेव में 2 लाख 26 हजार 491 लोगों की टेस्टिंग की गई, जो पर डे एवरेज 796 थी। कलेक्टर ने बताया कि जिले में कुल 580 बैड उपलब्ध है। अप्रैल 2021 की स्थिति बैडों की संख्या 132 थी, जो बढ़कर अब 580 हो गई है। कलेक्टर ने बताया कि नई बिल्डिंग (300 बिस्तर वाले) अस्पताल में उपकरण एवं आईसीयू बैड प्राप्त होने पर आईसी यूनिट का उपयोग किया जा सकेगा। जिला चिकित्सालय में कुल बैड 424, स्पेशल बैड 401, आइसोलेशन बैड 72, आईसीयू बैड्स लगभग 90 है। जिले के 8 चिकित्सालयों में 8 ऑक्सीजन प्लांट है, जो 2100 एलपीएम क्षमता के चालू स्थिति में है।

जनरल बिपिन रावत सी.डी.एस. की याद में श्रद्धांजलि सभा संपन्न

मुरैना। रविवार को प्रातः 8:30 बजे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र पर विनीत कुमार जैन (आ.ई.पी.एस) कमांडेंट 5वी वाहिनी एस.ए.एफ मुरैना की अध्यक्षता में जनरल विपिन रावत सी.डी.एस. को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पांच वी वाहिनी के सेनानी, अफसर व चिकित्सकों सहित अन्य ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के भाई-बहन उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में सर्वप्रथम केन्द्र प्रमुख रेखा बहन द्वारा आत्म ज्ञान करवाया गया। तत्पश्चात दिवंगत जनरल श्री रावत ने जो भाषण प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू हेड क्वार्टर में दिया था, उसका चलचित्र प्रदर्शित किया गया। इसी क्रम में डॉ आर सी बांदिल भूतपूर्व (सी.एम.एच.ओ) द्वारा जनरल रावत का संक्षिप्त में जीवन काल बताया एवं उन्हे सेवाकाल के दौरान मिले विभिन्न पदकों का वाचन किया। उन्होंने बताया कि जनरल बिपिन रावत का जन्म 16 मार्च 1958 को पौड़ी उत्तराखंड में हुआ था तथा उनका दुःखद निधन एक हेलीकॉप्टर के हादसे में हुआ। जनरल रावत ने गोरखा ब्रिगेड से अपना सेवा कार्य प्रारंभ किया एवं 61 वर्ष की उम्र में वह देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.)बनाए गए। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता कर रहे विनीत कुमार जैन (आई.पी.एस) कमांडेड पांचवी वाहनी सुरक्षा बल ने अपने शब्दों में उनके जीवन काल पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार उन्होंने आर्मी कोर्स में अध्ययन कर पी.एच.डी की डिग्री प्राप्त की थी और उन्होंने सैना मे सेवा करते हुए परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, युद्ध सेवा पदक, सेना पदक, विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त किए। उनकी सेवा भावना में उन्हें शांति बहुत प्रिय थी। इसी कारण प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को वे पसंद करते थे क्योंकि इस विद्यालय का उद्देश्य भी शांति ही है। तत्पश्चात सभागार में उपस्थित व्यक्तियों द्वारा कैंडल जलाकर 2 मिनट का मौन धारण किया गया फिर सभी ने पुष्पांजलि की तथा राष्ट्रगान गाया गया, डॉ आरसी बांदिल द्वारा संस्था की ओर से सभी आगंतुकों का आभार प्रदर्शित किया गया।

आरक्षण समाप्त करने को लेकर सामान्य वर्ग की बैठक संपन्न

कैलारस। रविवार को कैलारस में लक्ष्मीनारायण मन्दिर पर सामान्य वर्ग के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें आरक्षण समाप्ति को लेकर चर्चा की गई। ब्रहामण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ सामान्य वर्ग के चारों अध्यक्ष की उपस्थिति में आरक्षण समाप्त करने के विषय पर बैठक हुई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संविधान में समानता के आधार पर व्यवस्था होनी चाहिए। आरक्षण के खिलाफ प्रदेश व देश में आंदोलन किया जाएगा। पूर्व में डॉ भीमराव अम्बेडकर ने 10 बर्ष के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी। बैठक में तय किया गया कि आज 27 दिसंबर सोमवार को सभी सामान्य वर्ग के लोग एक साथ तहसीलदार को राज्यपाल व राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। बैठक में उम्मेद सिंह सिकरवार, शंकर लाल सिंघल, मथुरा प्रसाद शर्मा, उदय सिंह सिकरवार मातादीन शर्मा, धनश्याम तोमर, जगदीश सिंह सिकरवार, गिर्राज तिवारी, उमेश तिवारी, ब्रजमोहन तिवारी आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री ने बिस्मिल संग्रहालय पर किया ध्वाजारोहण

मुरैना। शासन की पहल पर पंड़ित रामप्रसाद बिस्मिल शहीद संग्रहालय पर साढ़े 12 लाख रूपये की लागत से 25 मीटर ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कराया गया है। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण कर कहा कि नगर निगम निवासियों के लिये राष्ट्रीय ध्वज गरिमा का प्रतीक है। इस अवसर पर राष्ट्रगीत व गार्ड ऑफ ऑर्नर देकर सम्मानित किया।

युवा मोर्चा जिलाधयक्ष परमार का सबलगढ़ के युवाओं ने किया स्वागत

सबलगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सोनू परमार का प्रथम सबलगढ़ नगर आगमन पर युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ सबलगढ़ मैं मोहन पचौरी के साथ सैकडो युवाओं ने नेहरू पम्प पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सोनू परमार ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी संगठन की ओर से मिली है, उसे ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करुंगा। भाजपा नेता मोहन पचौरी ने कहा कि भाजपा में पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता अपनी मेहनत के दम पर शीर्ष पदों पर स्थापित हो सकता है। कहा कि भाजपा में हर कार्यकर्ता का सम्मान है, पार्टी में युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हमारे नव नियुक्त जिलाध्यक्ष पार्टी की विचारधारा हर तबके तक पहुँचाएंगे और संगठन को मज़बूती प्रदान करेंगे। इस दौरान नगर महामंत्री पवन राठौर, मोहन पचौरी, हेमंत सिकरवार, राहुल शर्मा, मनीष कुशवाह, प्रदीप बिठ्ठल, श्याम तोमर, राहुल जादौन, दिनेश शर्मा, रवि शिवहरे, कुशल दंडोतिया, लाला बंसल, अजय गर्ग आदि स्वागत समारोह में शामिल थे।

तौल कांटों में अनियमितता पाये जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध

मुरैना। निरीक्षक नापतौल ने गत दिवस मुरैना जिले के तौल कॉटे एवं बॉट व्यापारियों की दुकानों पर विभाग द्वारा आकस्मिक जाँच की कार्यवाही की। सर्वप्रथम यूको बैंक के सामने अग्रवाल सेल्स एण्ड सर्विस सेन्टर पर टीम द्वारा जाँच की गई। जाँच में संस्था द्वारा नियमानुसार मासिक प्रतिवेदन भेजना नहीं पाया गया एवं दुकान पर उपलब्ध 10 इलेक्ट्रोनिक तौलकाँटों का सत्यापन भी मौके पर नहीं पाया गया। जिस पर निरीक्षक द्वारा उपलब्ध 40 किलो के 5 इलेक्ट्रोनिक तौल काँटे, 100 किलो का 1 एवं 20 किलो के 4 यूनीटेक कम्पनी के इलेक्ट्रोनिक तौल काँटे जप्त कर, विधिक माप विज्ञान अधिनियम की धारा 2009 की धारा 24 एवं म.प्र. विधिक माप विज्ञान नियम 2011 के उपनियम 11 के उल्लंघन में जप्ती की कार्यवाही कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। इसी प्रकार कैलाश नारायण का बाड़ा स्थित भगवान इलेक्ट्रोनिक कॉटे वाले की दुकान पर भी विभागीय अनियमिमता पाये जाने पर एक 200 किलो क्षमता का इलेक्ट्रोनिक तौलकाँटा जप्त कर अधिनियम की सुसंगत धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। वहीं छोटी बजरिया स्थित तौल काँटा एवं बॉट व्यापारी सिया सेल्स कार्पोरेशन के परिसर का निरीक्षण किया।

युवा मोर्चा ने किया केन्द्रीय मंत्री का स्वागत

मुरैना। सांसद एवं केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर का युवा मोर्चा ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सोनू परमार के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जानता पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पार्टी ने युवा मोर्चा के महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सोनू को दी है। सोनू के कन्धों पर पार्टी के साथ-साथ सरकार की जनहितैषी योजना को जनता तक पहुंचाने का जिम्मा है। मुरैना में संगठन का कार्य करते हुए गति प्रदान करना है, ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जोडकर भाजपा की रीति-नीति को आगे बढाना है। युवा मोर्चा पार्टी की सबसे अहम कडी है, इसलिए युवा मोर्चा को रीड की हड्डी कहा जाता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ योगेशपाल पाल गुप्ता, जिला महामंत्री कमलेश कुशवाह, चंद्रपाल सिकरवार, कालू यादव, लव परमार, अभय परमार मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री ने 9 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से निर्माण कार्यो की रखी आधारशिला

मुरैना। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि नगर निगम मुरैना के अन्तर्गत 9 करोड़ 2 लाख 49 हजार रूपये की लागत से नगर निगम के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यो की आधारिला रखी है। यह निगम के वासियों के लिये आज खुशी का दिन है। यह बात उन्होंने पुराना बस स्टेण्ड के समीप विभिन्न निर्माण कार्यो का भूमिपूजन करते समय कही।

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि नगर निगम मुरैना में 4 निर्माण कार्यो को भूमिपूजन किया गया है। जिसमें 390.85 लाख रूपये की लागत से शुक्ला होटल से अम्बाह वायपास तक सड़क, डिवायडर, नाली निर्माण कार्य, 224 लाख रूपये की लागत से अम्बाह वायपास तक नाला निर्माण, 176.96 लाख रूपये की लागत से एसडीआरएफ योजनान्तर्गत बड़ोखर तालाब से अम्बाह वायपास तक नाला निर्माण और 110.88 लाख रूपये की लागत से जेएस गार्डन से बालाजी पेट्रॉल पंप तक का भूमिपूजन किया है। यह कार्य 2022 तक पूर्ण हो जायेंगे। इन कार्यो के पूर्ण होने से नगर निगम की दिशा-दशा बदल जायेगी। मुरैना विधायक राकेश मावई ने कहा कि विकास में पार्टी आड़े नहीं आना चाहिये। चाहे केन्द्र व राज्य सरकार की स्कीम हो, आखिर पैसा जनता का विकास में खर्च होता है। विकास कार्यो में कमी न रहे। यह हमें सोचकर कार्य करना चाहिये। पूर्व मंत्री रूस्तम सिंह ने कहा कि नगर निगम में जब से नाला निर्माण अंडरग्राउण्ड हुआ है, तब से 90 प्रतिशत मच्छरों का प्रकोप कम हुआ है। वहीं शहर की जमीन दर मंहगी हुई है। आगे भी विकास में पार्टी आड़े नहीं आयेगी। इसी प्रकार विकास कार्य अनवरत जारी रहेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा नगर निगम कमिश्नर संजीव जैन ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन समाजसेविका शिल्पी जैन ने किया।

आग से मत खेलो के निहितार्थ

राजकुमार मिश्रा अधिवक्ता

मध्यप्रदेश में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के निर्वाचन के तहत त्रिस्तरीय पंचायतीराज के चुनाव में मध्यप्रदेश शासन एवं राज्य चुनाव आयोग को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दो कड़ी टिप्पणी की कि चुनाव को संविधान के अनुरूप संपन्न कराओ और अन्य पिछड़ा वर्गों को चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण कि अधिसूचना जारी करने पर आग से मत खेलो जैसी तल्ख टिप्पणी की। वास्तव में इसके निहितार्थ क्या हैं सर्वप्रथम तो अनेक अवसरों और मामलों की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण पर संविधान द्वारा आरोपित सीमा अधिकतम पचास प्रतिशत को पार करने हेतु केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को चेताया है , उसके पश्चात् भी राज्य शासन द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतीराज निर्वाचन की अधिसूचना में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण जारी कर दिया गया। अब प्रश्न उठता है कि क्या शासन या राज्य चुनाव आयोग को अपनी इस संवैधानिक मर्यादा का ज्ञान नहीं था या उन्होंने जान - बूझकर ऐसा त्रुटिपूर्ण कदम उठाया ताकि एक ओर उच्च न्यायालय द्वारा बार - बार जो राज्य शासन पर स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के निर्वाचन की अधिसूचना जारी करने हेतु निर्देश जारी किये जा रहे थे उसकी खानापूर्ति की जा सके , वहीं दूसरी ओर मतदाता के एक बड़े वर्ग के सच्चे हितैषी के रूप में सरकार और सत्ताधारी दल को प्रस्तुत किया जा सके। ऐसा नहीं है कि राज्य शासन या चुनाव आयोग इस तथ्य से अनभिज्ञ रहा होगा कि न्यायालय इस पर रोक लगा देगा। तिस पर भी जब सर्वोच्च न्यायालय ने जब याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय के समक्ष मुद्दे को उठाने के निर्देश दिए तब मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी की कि इस पर सुनवाई शीतकालीन अवकाश के पश्चात् तीन जनवरी को की जायेंगी , तब तक शायद निर्वाचन प्रक्रिया तीन चौथाई निपट जाती माननीय सर्वोच्च न्यायालय की झल्लाहट में शायद राज्य उच्च न्यायालय की संवेदनशील मामलों में कथित उपेक्षापूर्ण रवैया भी एक वजह हो सकती है। एक और गौर करने योग्य तथ्य यह कि नवीन पंचायतीराज अधिनियम में स्पष्ट उल्लेख है कि पदों पर आरक्षण की प्रक्रिया चक्रीय क्रम (ऋश्लह्लड्डह्लद्बश्ठ्ठ) में प्रत्येक पांच वर्षों में किया जाना होगा जबकि राज्य शासन ने वर्ष 2014 में जारी आरक्षण के आधार पर ही वर्तमान चुनाव अधिसूचना जारी करना किसी भी लोकतान्त्रिक सरकार के लिए अक्षम्य कृत्य होना चाहिए , याचिकाकर्ताओं द्वारा न्यायालय के संज्ञान में तथ्य लाये जाने के बाद भी न्यायालय द्वारा ऐसे नोटिस में नहीं लिया जाना आखिर क्या सन्देश प्रसारित करेगा ? इन्हीं सन्दर्भों में कुछ यक्ष प्रश्नों को सार्वजानिक विमर्श में लाया जाना चाहिए ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का दम्भ भरने वाले देश में जमीनी वास्तविकताओं से रूबरू हुआ जा सके जो अंततः लोकतंत्र की जड़ें ही मजबूत करने में सहायक होगा। मसलन प्रथम क्या राज्य / केंद्रीय चुनाव आयोग क्या राज्य / केंद्र सरकारों की मातहत एजेंसियों की तरह ही आज्ञापालक बनें रहेंगे या अपने संवैधानिक दायित्वों को पहचानकर देश में कानून का शासन का मार्ग प्रशस्त करेंगे ? द्वितीय क्या राज्य नियंत्रित नौकरशाही सरकार के प्रति प्रतिबद्ध होनी चाहिए कि संविधान के प्रति ? तृतीय क्या आज वक्त आ गया है कि नागरिक समाज अपनी सक्रिय भूमिका में जनहित के मुद्दों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाये ? चतुर्थ- क्या कार्यपालिका की कार्यप्रणाली की वजह से भारतीय समाज न्यायिक सक्रियता या न्यापालिका निर्देशित समाज की ओर अग्रसर हो रहा है ?

विक्रमादित्य ने कराया था विलुप्त हो चुके श्रीराम जन्म मंदिर पुनर्निर्माण

डॉ अजय खेमरिया

भारतीय समाज के कम ही लोगों को पता है कि महाराज विक्रमादित्य ने भी बाबा महाकाल मंदिर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ लोप हो चुकी अयोध्या की फिर से खोज करने तथा श्री राम जन्म मंदिर के पुनर्निर्माण कराने का महती कारज भी किया था। आज से कोई 2078 बरस पहले, जिसे बाबर के सेनापति मीर बांकी ने 1528 में ध्वस्त किया था और जिस पर अब भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा है। साथ ही अयोध्या में 240 नये मंदिरों का तथा 60 प्राचीन मंदिरों के निर्माण का श्रेय भी महाराजा विक्रमादित्य को जाता है। यह कोई कपोल कल्पित बात नहीं है, बल्कि सर्वोच्च न्यायालय में दी गयी तथ्यात्मक दलील का भाग है जिसे न्यायालय द्वारा मान्यता दी गयी है. इसका विस्तार से उल्लेख गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'अयोध्या दर्शन' में भी मिलता है।

उल्लेखनीय है कि श्रीरामजन्मभूमि पक्ष की ओर से कहा गया था कि उस स्थान पर महाराजा विक्रमादित्य के समय से एक मंदिर था जिसके कुछ हिस्से को बाबर की सेना के कमांडर मीर बांकी ने नष्ट किया था और मस्जिद बनाने का प्रयास किया था। उसने उसी मंदिर के खम्भे आदि इस्तेमाल किये। ये खम्भे काले कसौटी पत्थर के थे और उन पर हिन्दू देवी-देवताओं की आकृतियां खुदी हुई थी। इस निर्माण कार्य का बहुत विरोध हुआ और हिन्दुओं ने कई बार लड़ाईयां लड़ीं जिसमें लोगों की जानें भी गई। अंतिम लड़ाई 1855 में लड़ी गयी थी। इस सबके कारण वहां मस्जिद की मीनार कभी नहीं बन सकी और वुजू के लिए पानी का प्रबंध भी कभी ना हो सका।

सुप्रसिद्ध जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने भी श्री नागेश्वरनाथ मंदिर के प्रति अपने विचार प्रकट करते हुए लिखा है कि- 'इस मंदिर पर नामालूम कितनी आंधियां और भयंकर तूफान आए परंतु यह सबको बर्दाश्त करता हुआ अपने स्थान पर अडिग और अचल खड़ा है।' महाराज विक्रमादित्य ने जब अयोध्या की पुनः खोज की तो सबसे पहले इसी स्थान का पता लगा। जनश्रुति के अनुसार महाकवि कालिदास को 'स्त्रीयोनि' में जन्म लेने का श्राप यहीं से मिला था। डाउसन के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य ने 240 नये मंदिर बनवाये और 60 का जीर्णोद्धार किया। शुभशील के पंचशती बोध में महाराजा विक्रमादित्य द्वारा अयोध्या में उत्खनन करके चर्मकार स्त्री की स्वर्णजरी की जूतियां अन्वेषण की कथा है। अयोध्या दर्शन (गीता प्रेस, गोरखपुर, पृष्ठ 98-99) के अनुसार महाराजा विक्रमादित्य द्वारा निर्मित प्राचीन मंदिरों में हैं-

श्रीरामजन्म भूमि मंदिर :

श्रीराम जन्म स्थान पर कसौटी पत्थर के 84 स्तंभों और सात कलशों वाला मंदिर महाराजा विक्रमादित्य ने बनवाया था। जिसे 1528 ई. में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीरबांकी ने ध्वस्त कर दिया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा किये गये उत्खनन में वहां हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां, प्रतीक और स्तंभ प्राप्त हुए हैं जिसके आधार पर वहां एक भव्य मंदिर था, इस बात की पुष्टि हुई है।

2. कनक भवन :

अयोध्या राजवंश के पराभव के बाद कनक भवन भी जर्जर होकर ढह गया। सोने का यह महल माता कैकेयी ने सीताजी को मुंह दिखाई में दिया था। यह श्रीराम-जानकी का विहारस्थल है। महाराजा विक्रमादित्य ने 57 ई.पू. में कनक भवन पुनःनिर्मित कराया। उसे लगभग 11वीं शती ई. में यवनों ने ध्वस्त कर दिया। वर्तमान कनक भवन का निर्माण ओरछा नरेश सवाई महेन्द्र श्रीप्रतापसिंह की धर्मपत्नी महारानी वृषभानुकुंवरि द्वारा सन् 1891ई. में करवाया।

3. रत्नसिंहासन मंदिर :

जन्मस्थान के पास रत्नमंडप ही रत्नसिंहासन मंदिर है। यहां भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था। कनक भवन के निकट दक्षिण में है। यहां विक्रमादित्यकालीन तीन मूर्तियां हैं। दुर्भाग्य से यह स्थान अपनी स्वतंत्र पहचान खोता जा रहा है।

4. लक्ष्मण मंदिर, सहस्त्रधारा तीर्थ :

सहस्त्रधारा तीर्थ (लक्ष्मण घाट पर) लक्ष्मणजी के शरीर छोड़ने के स्थान पर यह मंदिर है। यहां रामांज्ञा से श्री लक्ष्मणजी शरीर छोड़कर परमधाम पधारे थे। यहां मंदिर में शेषावतार लक्ष्मणजी की 5 फुट ऊंची चतुर्भुज मूर्ति है। यह मूर्ति सामने कुंड में पायी गयी थी। लक्ष्मण घाट पर यह मंदिर लक्ष्मणकिला के निकट स्थित है। नागपंचमी एवं पूरे वैशाख मास में यहां विशेष भीड़ रहती है।

5. बड़ी देवकाली (शीतलादेवी दुर्गाकुण्ड पर):

इन्हें भगवान श्रीरामचंद्रजी की कुलदेवी कहा जाता है। द्वापर युग में सूर्यवंशी महाराज सुदर्शन द्वारा यहां एक मंदिर की स्थापना की गई। कालांतर में महाराजा विक्रमादित्य ने शालग्राम शिलामय की त्रिदेवियों की स्थापना की गयी। यहां एक ही शिला में महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती शक्तियंत्र सहित अंकित है। अयोध्या के इस आदिशक्तिपीठ पर आज भी अयोध्यावासी बड़ी श्रद्धा रखते हैं। यहां एक जल से परिपूर्ण सरोवर (कुंड) भी है। 2002ई. में मंदिर एवं सरोवर का जीर्णोद्धार किया गया है। यह फैजाबाद चौक से आग्नेय (दक्षिण पूर्व) कोण में स्थित है।

6. छोटी देवकाली गिरिजा

(ईशान देवी) नामक प्रसिद्ध मंदिर है। इस विग्रह की स्थापना त्रेतायुग में श्रीसीताजी द्वारा की गई थी जिसे वे अपने साथ जनकपुर से लायी थीं। यह स्थान मत्तगजेन्द्र चौराहे के पास सप्तसागर के निकट अयोध्या में ही है। (पृष्ठ-98-99)

वर्ष 2019 को उच्चतम न्यायालय का फैसला प्रकट हुआ। तद्नुसार श्रीरामजन्म भूमि पक्ष की ओर से कहा गया था कि उस स्थान पर महाराजा विक्रमादित्य के समय से एक मंदिर था। उज्जयिनी के सम्राट विक्रमादित्य ने इसकी खोज कर इस (अयोध्या) को पुनः बसाया। महाराजा विक्रमादित्य ने अयोध्या की पुनः खोज की तो सर्वप्रथम नागेश्वर मंदिर मिला।

एक कथानुसार महाकवि कालिदास को स्त्री योनि में जन्म लेने का श्राप यहीं से मिला था। डॉ. श्रीराम अवतार 'श्रीराम जन्मभूमि ~ अयोध्या का इतिहास मे' लिखते हैं कि सात मोक्षदायिनी नगरियों में प्रथम नगरी अयोध्या सतयुग में महाराज मनु ने बसायी थी। सरयू नदी के किनारे बसी यह नगरी 12 योजन (144 किलोमीटर) लम्बी तथा 3 योजन (36 किलोमीटर) चौड़ी थी। चक्रवर्ती सम्राट दशरथजी ने इसे विशेष रूप से बसाया था। इसमें सभी प्रकार के बाजार थे। तथा इसकी रक्षा खाइयों, किवाड़ों, और शताध्रियों से होती थी। महाराज इक्ष्वाकु, अनरण्य, मान्धाता, प्रसेनजित, भरत, सगर, अंशुमान, दिलीप, भगीरथ, ककुत्थ्य, रघु, अम्बरीष जैसे सम्राटों की यह राजधानी रही। श्रीरामजी की आज्ञा से इसके प्रधान देवता हनुमानजी हैं।

वे आगे लिखते हैं कि श्रीराम के परमधाम पधारने पर यह नगरी जनशून्य हो गई थी। तब महाराज कुश ने इसे पुनः बसाया था। यह पावन नगरी जब पुनः लुप्त हो गई तब लगभग 2500 वर्ष पूर्व उज्जयिनी के सम्राट विक्रमादित्य ने इसकी खोज कर इसे पुनः बसाया था। 1525 ई. में बाबर के मीर बांकी ने यहां के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की रक्षा के लिए संघर्ष का इतिहास काफी लम्बा है। लेखक के अनुसार बाबर के पुत्र हुमायूं के शासनकाल में हसवर के स्वर्गीय राजा रणविजयसिंह की महारानी जयकुमारी ने तीस हजार स्त्री सैनिकों के साथ मंदिर पर पुनः अधिकार प्राप्त कर लिया था।

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए। खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

पंजाब में ब्लास्ट

सिद्धार्थ शंकर

चुनाव के मुहाने पर खड़े पंजाब में कुछ अप्रत्याशित सा होने लगा है। पिछले सप्ताह अचानक बेदअबी के दो मामले सामने आ गए। इससे पहले कि प्रदेश में बवाल मचता, सरकार ने इस मामले को किसी तरह से संभाल लिया। हालांकि अभी वह चिंगारी बुझी नहीं है और आज वीरवार को लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो गया, जिसमें दो लोग मारे गए। कुछ लोग घायल भी हुए हैं। चुनाव के मुहाने पर पंजाब में ब्लास्ट अच्छा संकेत नहीं है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में खालिस्तान को लेकर जनरल बाजवा का प्लान बहुत खतरनाक है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, चुनाव की दहलीज पर खालिस्तान को दोबारा से जीवित करने में लगे हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को लगातार इस तरह के इनपुट मिल रहे हैं कि राज्य में खालिस्तान आंदोलन को बड़े स्तर पर हवा दी जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों की बयानबाजी और सीटों को लेकर हो रही मारामारी जनरल बाजवा को मौका दे सकती है। केंद्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि पाकिस्तान की सेना के जनरल बाजवा और आईएसआई चीफ नदीम अंजुम, खालिस्तान के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं। मौजूदा दौर में पंजाब का चुनाव, जिस तरह के संकेत दे रहा है, उससे भारतीय खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ी है। बेअदबी की दो घटनाएं, ये सामान्य मामला नहीं है। इन मामलों को लेकर प्रदेश के सियासतदान एक दूसरे पर हमलावर हैं, उसका फायदा पड़ोसी मुल्क उठा रहा है। अब लुधियाना के अदालत परिसर में विस्फोट हो जाता है। एनआईए जैसी जांच एजेंसियां, आईएसआई और खालिस्तान के नेटवर्क को तोडऩे में लगी हैं। विदेशों में बैठकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे खालिस्तानी आंदोलन के समर्थकों को कानूनी दायरे में लेने के लिए एनआईए की टीम कनाडा गई थी। सिख फॉर जस्टिस, जैसे खालिस्तानी संगठन द्वारा पंजाब के युवाओं को गलत मंशा से आर्थिक मदद दी जा रही है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान टाइगर फोर्स और खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स जैसे कई दूसरे संगठन भी सक्रिय हैं। ये सभी संगठन विदेशों में रह कर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पिछले दिनों कनाडा के रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के खिलाफ भारत में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के चलते आरोप पत्र दायर किया है। निज्जर, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का सदस्य रहा है। एमटीएसएस सेवाओं और हवाला चैनलों के जरिए वह भारत में अपने गुर्गों को पैसा भेजता था। उसने पाकिस्तान में अपने सहयोगियों से हथियारों और गोला-बारूद प्राप्त करने की कोशिश की थी। पंजाब में जिस तरह से राजनीतिक दल आपस में उलझे हैं, उससे आईएसआई और खालिस्तान समर्थकों की राह आसान हो गई है। ये दोनों संगठन, पंजाब चुनाव में बड़ा बवाल करा सकते हैं। इसमें दो समुदायों के बीच हिंसा कराना भी शामिल है। बेअदबी की घटना को इसी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पंजाब में ड्रग्स केस के आरोपी अकाली नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह मामला भी सामान्य नहीं है। इसके पीछे की कहानी लंबी है। खैर, अभी बिक्रम मजीठिया की गिर तारी बाकी है। संभव है कि जब पुलिस के हाथ उसके गिरेबान तक पहुंचें तो प्रदेश में तोडफ़ोड़ हो जाए। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय एजेंसियों को जो अलर्ट मिले हैं, उसमें विस्फोट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और नेताओं पर हमला, आदि शामिल हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तानी आईएसआई इन सब घटनाओं को अंजाम देने के लिए अपने आतंकी संगठनों का इस्तेमाल नहीं कर रही है। आईएसआई, खालिस्तानी संगठनों में नए युवाओं की भर्ती कर अपने मंसूबों को अंजाम देने की तैयारी में है। इसके लिए उसे चुनाव की मारामारी से बेहतर कुछ नजर नहीं आता। चुनावी माहौल में किसी भी वारदात को अंजाम देकर आईएसआई, साफ बच निकल सकती है। उसके पास दो बातें रहेंगी। एक, पाकिस्तान की जमीन पर मौजूद आतंकी संगठनों का इससे कोई लेना देना नहीं है।

'स्वर्ग' पर कब्जें की नई चाल...!

सूडोकु नवताल- 5934

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5933 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

ओमप्रकाश मेहता

जम्मू - कश्मीर में हिन्दू मुख्यमंत्री की तैयारी....?

भारतीय परिसीमन आयोग की मद्द से केन्द्र में सत्तारूढ़ नरेन्द्र मोदी सरकार इस धरती के 'स्वर्ग' अर्थात् जम्मू-कश्मीर पर राजनीतिक कब्जा कर सात दशक बाद वहां अपना हिन्दू मुख्यमंत्री तैनात करना चाहती है, वैसे देश में परिसीमन पर फिलहाल कानूनी रोक लगी हुई है, किंतु जम्मू-कश्मीर में परिसीमन कर सीटें बढ़ाने की संसद से प्रस्ताव पारित करवाकर अनुमति प्राप्त कर ली गई है, अभी तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 83 सीटें थी, अब उसमें सात सीटों की वृद्धि कर यह आंकड़ा 90 किया जा रहा है, छ~ सीटें जम्मू में तथा एक सीट कश्मीर में बढ़ाने का प्रस्ताव है, ये सीटें कानूनी रूप से बढ़ने के बाद जम्मू की सीटों में बहुमत प्राप्त कर भाजपा जम्मू-कश्मीर की सरकार पर अपना कब्जा करना चाहती है। यदि भाजपा का यह सपना साकार हो जाता है तो फिर देश की आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में दूसरा हिन्दू मुख्यमंत्री होगा, इस क्षेत्र के पहले हिन्दू मुख्यमंत्री मेहरचंद महाजन थे, जो 15 अक्टूबर 1947 से 5 मार्च 1948 तक मुख्यमंत्री रहे थे।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि पिछले विधानसभा चुनावों में इस राज्य की 83 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 25 सीटें मिली थी और ये सभी सीटें जम्मू क्षेत्र से थी, कश्मीर से भाजपा को एक भी सीट नही मिल पाई थी, अब परिसीमन के माध्यम से मोदी सरकार जम्मू में छ~ सीटें बढ़ाना चाहती है जबकि कश्मीर में मात्र एक सीट। पहले सीटों का यह गणित जनसंख्या से तय हुआ था, जबकि अब भाजपा जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि क्षेत्रफल के हिसाब से तय करना चाहती है, जबकि कश्मीरी गुपकार संगठन के नेताओं की मांग है कि पूर्व की तरह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाये। उल्लेखनीय है कि जम्मू की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है, जबकि कश्मीर की 68 लाख 88 हजार 479 है। किंतु क्षेत्रफल के हिसाब से जम्मू का विस्तार 26 हजार 293 वर्ग किलोमीटर में है, जबकि कश्मीर का क्षेत्रफल सिर्फ 15 हजार 948 वर्ग किलोमीटर है, केन्द्र सरकार इसी क्षेत्रफल के आधार पर विधानसभा सीटों का परिसीमन करना चाहती है और अपने अधिकार क्षेत्र जम्मू की सीटों के आधार पर जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करना चाहती है।

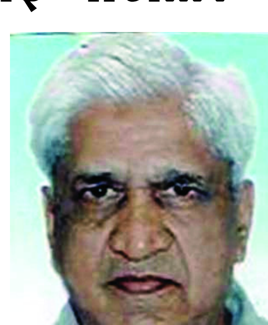

केन्द्र के इस फैसले का कश्मीरी गुपकार संगठन नए वर्ष की शुरूआत के साथ ही विरोध का श्रीगणेश करना चाहता है। उसने प्रधानमंत्री से पूछा है कि जब देश के अन्य राज्यों की बराबरी में लाने के लिए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 व 35ए को खत्म किया गया है तो फिर ढाई साल गुजर जाने के बाद भी अब तक जम्मू-कश्मीर को स्वतंत्र राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया और इस राज्य को लम्बे अर्से से राष्ट्रपति शासन के अधीन क्यों रखा गया है? क्या वहां परिसीमन की आड़ में विधानसभा सीटें बढ़ाकर अपना हिन्दू मुख्यमंत्री तैनात करने की गरज से यह सब राजनीतिक नाटक खेला गया था?

अब एक जनवरी से कश्मीर में शुरू होने वाला यह आंदोलन कैसा रूप अख्तियार करेगा और वहां क्या स्थिति पैदा होती है? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु यह तय है कि केन्द्र की मोदी सरकार ने काफी सोची-समझी रणनीति के तहत् पूरी तैयारी के साथ जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करने का प्रयास किया है? यहां यह याद दिला दें कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के नेताओं को चर्चा करने हेतु दिल्ली बुलाया था, तब उनके तेवर देखकर ही मोदी जी समझ गए थे कि ÷सीधी अंगुली से घी निकलने वाला नही है÷, इसीलिए ÷अंगुली को टेढ़ी करने÷ का प्रयास किया गया है, साथ ही उन्हें पाक परस्त भी बताया गया है।

युद्ध से बेहतर संवाद

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत और चीन के बीच पहले फौजी मुठभेड़ हुई और फिर सीमा पर इतना तनाव हो गया, जितना 1962 के युद्ध के बाद कभी नहीं हुआ। दोनों तरफ के सीमांतों पर दोनों देशों के फौजी अड़े हुए हैं लेकिन दोनों देशों के फौजी दर्जन भर से ज्यादा बार आपसी संवाद कर चुके हैं। इस परिदृश्य में आश्चर्यचकित कर देनेवाली खबर यह है कि दोनों राष्ट्रों के आपसी व्यापार में अपूर्व वृद्धि हुई है। यह वृद्धि तब भी हुई है, जबकि भारत के कई संगठनों ने जनता से अपील की थी कि वह चीनी माल का बहिष्कार करे। सरकार ने कई चीनी व्यापारिक और तकनीकी संगठनों पर प्रतिबंध भी लगा दिया था लेकिन हुआ क्या ? प्रतिबंध और बहिष्कार अपनी-अपनी जगह पड़े रहे और भारत-चीन व्यापार ने पिछले साल भर में इतनी ऊँची छलांग मार दी कि उसने रेकार्ड कायम कर दिया। सिर्फ 11 माह में दोनों देशों के बीच 8.57 लाख करोड़ रु. का व्यापार हुआ। यह पिछले साल के मुकाबले 46.4 प्रतिशत ज्यादा था याने तनाव के बावजूद आपसी व्यापार लगभग डेढ़ गुना बढ़ गया। इस व्यापार में गौर करने लायक बात यह है कि भारत ने चीन को जितना माल बेचा, उससे तीन गुने से भी ज्यादा खरीदा। भारत ने 6.59 लाख करोड़ का माल खरीदा और चीन ने सिर्फ 1.98 लाख करोड़ रु. का। इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि भारत की जनता ने सरकार और सत्तारुढ़ संगठनों की अपीलों को एक कान से सुना और दूसरे कान से निकाल दिया। दूसरे शब्दों में गलवान घाटी में हुई फौजी मुठभेड़ का और सरकारी अपीलों का आम लोगों पर कोई असर नहीं हुआ। इसका कारण क्या हो सकता है? इसका पहला कारण तो शायद यही है कि लोगों को यही समझ में नहीं आया कि भारत-चीन सीमांत पर मुठभेड़ क्यों हुई और उसमें गलती किसकी थी? भारत की या चीन की? नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कह दिया था कि चीन ने भारत की एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है तो लोग सोचने लगे कि फिर, झगड़ा किस बात का है? यदि भारत की जनता को लगता कि चीन का ही पूरा दोष है तो वह अपने आप वह चीनी चीजों का बहिष्कार कर देती, जैसा कि उसने 1962 में किया था। जनता आगे होती और सरकार पीछे! लेकिन ऊपर दिए व्यापारिक आकड़े भी यह सिद्ध करते हैं कि इस मुद्दे पर सरकार का रवैया भी स्पष्ट नहीं था। यदि सरकार का रवैया दो-टूक होता तो दोनों देशों के आपसी व्यापार में क्या इतना अपूर्व उछाल आ सकता था ?

स्ट्रेस की वजह से प्रभावित होती है निजी जिंदगी, तो ये 5 घरेलू उपाय मददगार हो सकते हैं

एक समय था जब लोग अपनों के साथ समय बिताया करते थे और उनसे अपने मन की बात कहते थे और उनके मन की बातें सुना करते थे. ऐसे में मन का बोझ आसानी से हल्का हो जाता था. लेकिन आज के मशीनी युग में सब कुछ इतना फास्ट है, कि न तो व्यक्ति को अपनी बातें शेयर करने का समय मिल पाता है और न ही सुनने के लिए किसी के पास समय है.

छोटे बच्चे भी जो, पहले आउटडोर एक्टिविटीज में हिस्सा लेते थे, वे घर में मोबाइल गेम में उलझकर रह गए हैं. बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर वर्ग सिर्फ मशीनी युग की गिरफ्त में आ चुका है. यही वजह है कि आजकल लोगों तनाव की समस्या बहुत कॉमन हो गई है. स्ट्रेस व्यक्ति को अंदर से गुस्सैल और चिड़चिड़ा बनाने के साथ कई तरह की बीमारियों का शिकार भी बना देता है. यहां जानिए कुछ ऐसे घरेलू उपाय जो स्ट्रेस को कम करने में सहायक हो सकते हैं.

तुलसी

तुलसी में कई तरह के औषधीय गुण होते हैं. आमतौर पर आपने तुलसी का इस्तेमाल आपने सर्दी, खांसी और जुकाम आदि समस्याओं के लिए होते देखा होगा. लेकिन तुलसी आपके तनाव को भी कम करने में सहायक है. वर्कप्लेस से लौटने के बाद आप तुलसी की पत्तियों को पानी में उबाल कर उसमें थोड़ा नींबू और शहद डालकर पिएं. आपको काफी आराम मिलेगा. इसे रोजाना करने से आप तनाव ही नहीं, बल्कि तमाम समस्याओं से बचे रहेंगे.

अश्वगंधा

अश्वगंधा को भी स्ट्रेस दूर करने में मददगार माना जाता है. इसमें एंटी-स्ट्रेस गुण पाए जाते हैं. आप रोजाना रात को सोते समय गुनगुने दूध के साथ अश्वगंधा चूर्ण लेने की आदत डालें. इससे तनाव दूर होने के साथ शरीर की कमजोरी दूर होगी और नींद अच्छी आएगी.

ग्रीन टी

ग्रीन टी को वजन कम करने के साथ स्ट्रेस कम करने में भी उपयोगी माना जाता है. ग्रीन टी में मौजूद एल-थिएनाइन तनाव को घटाने में मददगार माना जाता है. अगर आप अक्सर स्ट्रेस में रहते हैं तो सामान्य चाय पीने की बजाय ग्रीन टी लेने की आदत डालें.

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल को भी स्ट्रेस दूर करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है. ये तनाव दूर करके मूड को फ्रेश करता है. लैवेंडर ऑयल की खुशुबू हैप्पी हार्मोन्स को बढ़ाने का काम करती है. इससे तनाव कम होता है. आप किसी अन्य तेल में लैवेंडर ऑयल की दो से चार बूंदे डालकर अपने सिर की मसाज कर सकते हैं. इसके अलावा डिफ्यूजर में लैवेंडर ऑयल डालकर अरोमाथेरेपी लेने से भी काफी आराम मिलता है.

बादाम और अखरोट

बादाम और अखरोट दिमाग को ताकत देते हैं. दिन भर वर्कप्लेस पर काम करने के बाद जो थकान होती है, उससे बचाव करते हैं. इसके लिए रोजाना बादाम और अखरोट को भिगोकर उसे पीसकर गुनगुने दूध में मिक्स करके पिएं. कुछ दिन ऐसा करके देखिए. इससे आपको काफी बेहतर महसूस होगा.

पुरुष से ज्यादा महिला संग इंटिमेट होना आसानः मल्लिका शेरावत

मल्लिका शेरावत ने बताया है कि ऑनस्क्रीन एक महिला संग इंटिमेट होना उनके लिए आसान रहा या फिर मुश्किल। बता दें कि 'नकाब' में मल्लिका ने ऐक्ट्रेस ईशा गुप्ता के साथ इंटिमेट सीन किया है, जो बेहद चर्चा में हैं। इस सीन को लेकर मल्लिका ने कहा है कि एक पुरुष से ज्यादा महिला के साथ इंटिमेट होना ज्यादा आसान है। मल्लिका शेरावत ने अपने करियर में काफी बोल्ड रोल किए। बल्कि उन्हें करियर में पहचान बोल्ड किरदार निभाकर ही मिली। फिल्म 'ख्वाहिश' में मल्लिका शेरावत ने मेल को-स्टार के साथ करीब 17 किसिंग सीन किए थे। मल्लिका शेरावत से जब पूछा गया कि एक फीमेल के साथ इंटिमेट सीन करना कितना मुश्किल रहा, तो उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। एक फीमेल के साथ इंटिमेट होने में उन्हें किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हुई। बल्कि यह एक पुरुष के साथ (ऑनस्क्रीन) इंटिमेट होने से भी ज्यादा आसान है।' बता दें कि 'नकाब' की कहानी एक हाई प्रोफाइल ऐक्ट्रेस के सूइसाइड की कहानी है, जिससे पूरे देश में हलचल मच जाती है। मल्लिका इस सीरीज में एकदम हटकर किरदार में नजर आ रही हैं। हाल ही मल्लिका शेरावत ने फिल्मों में दिए जाने वाले न्यूड सीन्स पर भी रिऐक्ट किया था। मल्लिका ने कहा था कि बोल्ड सीन्स के लिए हमेशा महिलाओं को टारगेट किया जाता है।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक की डेब्यू फिल्म रोजीः द सैफ्रॉन चैप्टर अक्टूबर में होगी रिलीज

श्वेता तिवारी टीवी जगत की मशहूर अदाकारा हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर अपने अभिनय से लाखों प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। इस साल श्वेता की बेटी पलक तिवारी फिल्मों में अपनी डेब्यू को लेकर सुर्खियों में छाई रही हैं। वह विवेक ओबेरॉय की फिल्म रोजीः द सैफ्रॉन चैप्टर से फिल्मों में कदम रखने जा रही हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि पलक की यह फिल्म इसी साल अक्टूबर में रिलीज होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पलक की डेब्यू फिल्म रोजीः द सैफ्रॉन चैप्टर अक्टूबर में रिलीज होने वाली है। फिल्म की प्रोड्यूसर प्रेरणा वी अरोड़ा ने इस संबंध में खुलासा किया है। उन्होंने फिल्म की रिलीज को लेकर कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रोजी इस साल अक्टूबर में रिलीज होगी। यह फिल्म नोएडा में घटित हुए एक वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है।

प्रेरणा ने बातचीत करते हुए आगे कहा कि उनका फोकस अकाल मृत्यु पर होगा। फिल्म में दिखाया जाएगा कि एक परिवार में असमय मृत्यु के बाद परिवार वालों और दोस्तों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, फिल्म के जारी किए गए टीजर ने दर्शकों को कहानी की एक झलक दिखा दी थी। फिल्म के टीजर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि दर्शक फिल्म पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

इस फिल्म की शूटिंग पुणे, लखनऊ और भारत के अन्य क्षेत्रों में की गई है। यह फिल्म एक डरावनी प्रेम कहानी पर आधारित है। फिल्म में अरबाज खान और तनीषा मुखर्जी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल रंजन मिश्रा ने किया है। यह फिल्म रोजी के किरदार के इर्दगिर्द घूमती है, जो सैफ्रॉन बीपीओ की कर्मचारियों होती हैं। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे इस बीपीओ पर भूत-प्रेत का साया मंडराता है। यह विवेक के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली है। इस फिल्म में मल्लिका शेरावत के दिखने की भी चर्चा चली थी। यह एक सच्ची घटना पर आधारित हॉरर थ्रिलर होगी। यह फिल्म इसी साल 25 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। कोरोना महामारी के कारण इस फिल्म का प्रोजेक्ट भी बाधित हुआ है।

नुसरत भरूचा की फिल्म 'जनहित में जारी' की शूटिंग शुरू, सामने आई तस्वीरें

नुसरत भरूचा की अपकमिंग फिल्म 'जनहित में जारी' में जारी की शूटिंग शुरू हो गई है। इसके लिए भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड ने फिल्ममेकर राज शांडिल्य के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म में अन्नू कपूर, अनुद सिंह ढाका और पारितोष त्रिपाठी जैसे ऐक्टर्स भी नजर आएंगे।

'जनहित में जारी' एक असामान्य लेकिन प्रासंगिक और कॉमिडी फिल्म है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग मध्य प्रदेश के चंदेरी में शुरू हुई। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अपने सब्जेक्ट के जरिए पुरानी परंपराओं को तोड़ने की कोशिश करेगी। फिल्म में नुसरत बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। ऐसा रोल

उन्होंने पहले नहीं किया है। अपने किरदार के बारे में ऐक्ट्रेस कहती हैं, 'जनहित में जारी एक बेहद दिलचस्प कॉन्सेप्ट है। जैसे ही मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तुरंत फिल्म का हिस्सा बनने का फैसला कर लिया। 'ड्रीम गर्ल' के बाद एक बार फिर राज शांडिल्य के साथ फिल्म करना एक बेहतरीन एहसास है।' वहीं, अपने दूसरे प्रॉडक्शन के बारे में प्रड्यूसर विनोद भानुशाली कहते हैं, 'मैं हमेशा ऐसी अच्छी कहानियों का प्रशंसक रहा हूं जो आपको सोचने पर मजबूर करती है। जनहित में जारी बिल्कुल ऐसी ही है। राज की कहानी मनोरंजक होती है और अच्छा संदेश भी देती है। नुसरत इस फिल्म के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाने और दर्शकों को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं।'

राज और डीके की अगली वेब सीरीज के लिए साथ आए राजकुमार राव और दिलजीत दोसांझ

कोरोना काल में कई बड़े सितारों ने डिजिटल जगत की ओर रुख किया है। हर बड़ा सितारा डिजिटल की दुनिया में आने के लिए उत्सुक है। अब खबर है द फैमिली मैन जैसी सुपर-डुपरहिट वेब सीरीज बना चुके राज और डीके अपनी अगली वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इसके लिए उन्होंने दो अभिनेताओं का चयन कर लिया है। ये दो कलाकार कोई और नहीं, बल्कि राजकुमार राव और दिलजीत दोसांझ हैं। राजकुमार इससे पहले राज और डीके की फिल्म स्त्री में काम कर चुके हैं, वहीं, दिलजीत दोसांझ के लिए यह पहला अनुभव होगा। राज और डीके की यह वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। कृष्णा डीके की पत्नी और एसोसिएट प्रोड्यूसर अनु ने भी इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा, सीरीज के लिए राजकुमार और दिलजीत दोसांझ के नाम पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अभी यह साइन नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले साल इस सीरीज पर काम शुरू होगा। दरअसल, इस समय राज और डीके अपनी अन्य वेब सीरीज में व्यस्त हैं, जिसमें शाहिद कपूर, राशि खन्ना और साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसकी शूटिंग पूरी करने के बाद वे राजकुमार और दिलजीत अभिनीत सीरीज के काम पर जुटेंगे। इस बीच सीरीज के लिए लीड अभिनेत्री और अन्य सहायक कलाकारों की तलाश की जा रही है। राजकुमार, हंसल मेहता की फिल्म स्वागत है का हिस्सा हैं। वह फिल्म मोनिका ओह माय डार्लिंग को लेकर भी सुर्खियों में है। राजकुमार फिल्म हम दो हमारे दो में काम कर रहे हैं। वह सेकेंड इनिंग और बधाई दो में भी नजर आएंगे। राजकुमार इन दिनों तेलुगु फिल्म हिट के हिंदी रीमेक की शूटिंग कर रहे हैं। वह फिल्म लाइफ इन अ मेट्रो के सीच‌ल में दिखने वाले हैं। उन्हें फिल्म स्त्री 2 में भी देखा जा सकता है।

अनन्या पांडे ने बिकिनी पहनकर पूल में किया इंजॉय, हर तस्वीर पर बार-बार ठहरेगी नजर

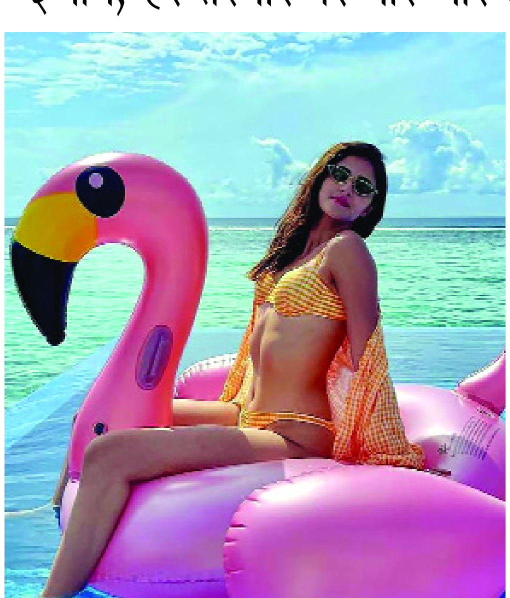

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे को इंडस्ट्री में आए अभी कुछ समय ही हुआ लेकिन उनकी काफी लोकप्रियता है। ऐक्टिंग के साथ ही वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और अपनी ग्लैमरस तस्वीर शेयर करती रहती हैं। अनन्या पांडे ने एक बार फिर बिकिनी पहनकर तस्वीरें शेयर की हैं। अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने मालदीव वकेशन से दो तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें अनन्या पांडे ऑरेंज बिकिनी पहनकर पूल में डक पर बैठकर वो चिल करती नजर आ रही हैं। ऐक्ट्रेस भले ही मालदीव से वापस आ गई हैं लेकिन वहां की यादों को भूल नहीं पा रही हैं। अनन्या पांडे की इन तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कॉमेंट कर रहे हैं। अनन्या पांडे की तस्वीरों को खबर लिखे जाने तक 4 घंटे में 6 लाख के करीब लोग लाइक कर चुके थे। फैंस कॉमेंट सेक्शन में उन पर प्यार बरसा रहे हैं। अनन्या पांड की फिल्म 'खो गए हम कहां' की हाल में घोषणा की है। इस फिल्म में अनन्या पांडे के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव भी हैं। फिल्म को अर्जुन वरैन सिंह डायरेक्ट करेंगे। फिल्म बॉम्बे शहर में तीन दोस्तों की 'डिजिटल' एज की कहानी के रूप में बताया गया है। ये फिल्म अगले साल 2023 में रिलीज होगी। अनन्या पांडे फिल्म 'खो गए हम कहां' के अलावा शकुन बत्रा की अनाम फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और दीपिका पादुकोण के साथ काम कर रही हैं। वह फिल्म 'लाइगर' में विजय देवरकोंडा के साथ भी में नजर आएंगी। अनन्या पांडे ने साल 2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलिवुड डेब्यू किया था।

एलोवेरा को अपने आहार में शामिल करने के फायदे और दिलचस्प तरीके

एलोवेरा सबसे प्रसिद्ध और व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पौधों में से एक है. ये अपने औषधीय और स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है. ये न केवल शरीर के स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है. एलोवेरा के पौधे कई घरों के गार्डन में मिल जा सकते हैं, क्योंकि ये पौधा आसानी से और जल्दी बढ़ता है. इसे कम से कम देखभाल की आवश्यकता होती है. बहुत से लोग केवल एलोवेरा और इसके प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हेल्दी त्वचा और बालों के लिए करते हैं. इसका इस्तेमाल अक्सर खाने-पीने की चीजों में भी किया जाता है. आप अपने आहार में एलोवेरा को कैसे शामिल कर सकते हैं और इसके फायदे क्या हैं आइए जानें.

एलोवेरा के स्वास्थ्य लाभ

एलोवेरा में कई एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, क्योंकि इसमें प्लांट कंपाउंड पॉलीफेनोल्स अधिक मात्रा में होता है. एलोवेरा का सेवन त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है.

पाचन को बढ़ाता है

- ये पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है. ये आंत में अच्छे बैक्टीरिया के स्तर को बढ़ाता है

डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद

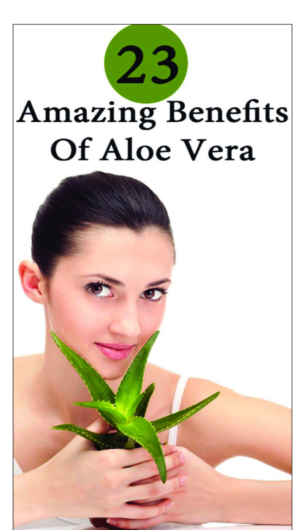

- अध्ययनों के अनुसार एलोवेरा इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाकर टाइप -2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों की मदद कर सकता है. ये ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है.

वजन घटाने को बढ़ावा दे सकता है

एलोवेरा का सेवन करने से भी व्यक्ति को अपना वजन कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. जेल को डिटॉक्सिफाइंग, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है. ये इम्युनिटी और पाचन को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है. इससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है.

एलोवेरा का सेवन कैसे करें

एलोवेरा जूसः एलोवेरा का सेवन करने का सबसे आसान तरीका इसका जूस है. अपने एलो लीफ को छोटे-छोटे हिस्सों में काटें, पत्ती की ऊपरी हरी परत को हटा दें और फिर जेल को बाहर निकाल लें. जेल को धो लें और इसे नारियल पानी/सादा पानी और थोड़े से शहद के साथ फूड प्रोसेसर में डालें और ब्लेंड करें. आप मिश्रण में सेब या खीरे के जूस सहित अपने पसंदीदा जूस मिला सकते हैं.

सलाद में पत्ते डालें

- एलोवेरा के पत्तों को धोकर इन्हें काट लें और इसका सेवन सलाद के रूप में करें.

सलाद ड्रेसिंग में जेल मिलाएंः सलाद ड्रेसिंग में एलोवेरा जेल मिलाया जा सकता है. इसकी चिपचिपी बनावट के कारण इसे जैतून के तेल, सिरके जैसी सामग्री के साथ आसानी से मिलाया जा सकता है. एलोवेरा एक पौष्टिक सलाद ड्रेसिंग बना सकता है.

इसे बर्फ के टुकड़े के रूप में फ्रिज करेंः एलोवेरा का इस्तेमाल जलन को शांत करने के लिए किया जाता है।

'गदर' फिल्म के फैंस के लिए आई गुड न्यूज, जल्द शुरू होने वाली है सीक्वल की शूटिंग

सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म 'गदर एक प्रेम कथा' जब 20 साल पहले रिलीज हुई थी. तो इसने कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए सफलता के आयाम को छुआ था. तब से इस फिल्म के सीक्वल को लेकर फैंस इंतजार में है और अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है.जो इसके फैंस के लिए गुड न्यूज से कम नहीं है. रिपोर्ट के अनुसार अनिल शर्मा ने इस फिल्म की कहानी को पूरा कर लिया है. इस फिल्म में तारा सिंह के रोल में सनी देओल दिखाई देंगे. सकीना का रोल अमीषा पटेल ही करेंगी. तो इन दोनों के बेटे चरणजीत उर्फ जीते के रोल में उत्कर्ष शर्मा नजर आएंगे. जहां पहले पार्ट में सनी देओल को पाकिस्तान की सरजमीं गदर मचाते हुए देखा गया था. बताया जा रहा है इस बार भी तारा सिंह यानी सनी देओल पाकिस्तान जाएंगे और कहर मचाएंगे पर उनका ये गुस्सा फूटेगा अपने बेटे के लिए. रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का प्री-प्रोडक्शन पूरा हो चुका है और फिल्म नवंबर में शुरू हो सकती है. अनिल शर्मा निर्देशित 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'गदर एक प्रेम कथा' के गाने, डायलॉगस

स्वदेशी जागरण मंच की 15 वीं राष्ट्रीय सभा का समापन

महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्वदेशी जागरण मंच की त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सभा के अंतिम दिन आज प्रातः क़ालीन सत्र में अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, वॉलमार्ट को भारत में संचालित करने की अनुमति वापस ले यह प्रस्ताव पारित किया गया। मंच का मानना है कि यह विदेशी कंपनियां भारत के छोटे और मझोले उद्योगों के लिए हानिकारक है ।साथ ही भारत में रोज़गार सृजन को भी कम करती हैं ।

द्वितीय सत्र में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने उद्बोधन में है उन्होंने कहा दत्तोपंत जी ने सेवाभाव एवं सादा जीवन उच्च विचारों की जो धारा समाज में स्वदेशी जागरण मंच के माध्यम से प्रभावित की है वह अविरल रूप से समाज के अंतिम तबके तक पहुँच रही है। श्री सिंधिया जी ने बताया कि दत्तोपंत जी का सिंधिया परिवार से बहुत पुराना उनके दादा जी के समय से संबंध रहा है। उन्होंने बताया समावेशी और स्वदेशी यह दो मूल मंत्र स्वदेशी के हैं और अकेले स्वदेशी के ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत का यही मूल मंत्र है ।इसी के आधार पर भारत का निर्माण किया जा सकता है ।और इतिहास को जानकर ही भविष्य निर्माण की संकल्पना की जा सकती है।

उन्होंने वर्तमान मोदी सरकार जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मोदी जी के आने के बाद प्रतिभा पलायन रुका है ।भारत एक अवसर हीन देश से सर्वाधिक अवसरवान देश के रूप में बदल चुका है ।प्रधानमंत्री द्वारा युवा शक्ति का सही उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन एवं सेवा यह तीन हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख भाग है। कृषि के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं ।स्वसहायता समूह बनाकर कृषि उत्पादों को प्रोसेसिंग कर नए रोज़गार एवं व्यापार का सृजन किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोज़गार की अपार संभावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने चंदेरी साड़ियों के उद्योग का भी ज़िक्र किया। श्री सिंधिया ने बताया कि भारत में पर्यटन उद्योग में अपार संभावनाएं हैं एवं इसकी विस्तृत व्याख्या की। इस सत्र में स्वागत उद्बोधन साकेत राठौर जी द्वारा दिया गया एवं आभार प्रदर्शन संजीव गोयल ने किया। समारोप सत्र के दौरान स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठनक सतीश कुमार जी ने संकल्प प्रस्तुत किया। एवं बताया कि ÷देश के लिए काम और काम के पूरे दाम÷ की धारणा के साथ स्वदेशी स्वावलंबन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है एवं कार्यकर्ताओं से अपील की कि इस कार्यक्रम को सफल करने में अपनी पूरी ऊर्जा एवं समय दे। समारोह सत्र के दौरान कश्मीरी लाल जी,राष्ट्रीय संगठक स्वदेशी जागरण मंच ने अपना उद्बोधन दिया।उन्होंने बताया कि हम आज आज़ादी की पचहत्तरवीं वर्षगांठ को मनाने जा रहे हैं एवं जिन क्रांतिकारीयो ने बलिदान दिया है उनका स्मरण हमें सदैव रखना चाहिए ।उनके सपनों को साकार करने का संकल्प हम सभी के मन में होना चाहिए। बिना किसी पद की लालसा के स्वदेशी का भाव मन में रखते हुए,पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से सतत् कार्य करते रहना है ऐसा उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया।स्वदेशी के कार्यक्रमों को जन मानस तक ले जाने की अपील की। रोज़गार सृजन की और युवाओं को नए दृष्टिकोण अपनाते हुए अध्ययन के साथ धनअर्जित करने के लिए उद्यम करने की बात पर बल दिया। उन्होंने युवाओं को सुझाव दिया कि रोज़गार दाता बनने का विचार मन में रखे हैं ना कि रोज़गार ढूंढने का ।सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों एवं दैनिक दिनचर्या में स्वदेशी वस्तुओं की अनिवार्यता को प्रमुखता से अपनाने का संदेश दिया ।इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी, बाबू गेनू, सावरकर जी एवं जगदीश चंद्र बसु जैसे भारतीय सपूतों का उदाहरण देते हुए स्वदेशी के संकल्प को दोहराया। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय संयोजक श्रीकांत बुधोलिया द्वारा उपरोक्त जानकारी प्रेषित की गई। कार्यक्रम का संचालन सोमनाथ सचदेवा कुलपति,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

वन-टू-वन

बंबईया क्रिकेट ट्रॉफी के पहले मैच में कोटा ने चंबल डिविजन को हराया

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी। शिवपुरी के प्ले ग्राउंड मैदान पर राष्ट्रीय बंबइया क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है जिसके पहले मुकाबले में आज कोटा राजस्थान ने चंबल डिविजन मध्य प्रदेश को हराया आयोजक कपिल यादव द्वारा बताया गया कि कोटा राजस्थान द्वारा पहले बल्लेबाजी की गई 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन का स्कोर खड़ा किया जिसमें राहुल भट्ट द्वारा अच्छी बैटिंग करते हुए 38 रन की शानदार पारी खेली गई अनित गौर द्वारा 24 रन का योगदान टीम के लिए दिया गया चंबल की ओर से शौकीन द्वारा तीन विकेट लिए गए सैफ आलम एवं हरजोत द्वारा दो-दो विकेट लिए गए इसके जवाब में चंबल डिवीजन की पारी की शुरुआत निराशाजनक रही और 71 रन पर पूरी टीम आउट हो गई चंबल की तरफ से रवि यादव द्वारा सबसे ज्यादा 18 रन का योगदान रहा कोटा राजस्थान की ओर से तहसीन आजाद ने 3 विकेट ,हमजा और विनोद ने दो-दो विकेट लेकर कोटा राजस्थान की जीत सुनिश्चित की शिवपुरी पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा तहसील तहसीन आजाद को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया इस मैच में नगद राशि 1100? का पुरस्कार हेमंत ओझा द्वारा दिया गया कल उत्तर प्रदेश और ग्वालियर डिविजन के बीच खेला जाएगा।

पंचायत चुनाव स्थगित प्रत्याशियों के फोटो बैनर खत्म कहीं खुशी कहीं गम

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी-- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पंचायत के त्रिस्तरीय चुनाव के अध्यादेश को निरस्त कर राज्यपाल महोदय को भेज दिया गया है अब चुनाव होने की कोई संभावना नहीं है इससे जो प्रत्याशी सरपंच,जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, का चुनाव लड़ रहे थे उनके पोस्टर,बैनर घर घर जाने का संपर्क अभियान रुक गया है जिससे चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों में रोष है और सरकार की इस नीति का विरोध कर रहे दूसरी तरफ पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीटों पर चुनाव नहीं हो रहा था जिसमें सरपंच,जनपद सदस्य,जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशियों में खुशी का माहौल है चुनाव हो तो सबका साथ हो अन्यथा किसी का भी चुनाव नहीं होना चाहिए निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित होने पर कहीं खुशी कहीं गम का मिला-जुला संदेश मिल रहा है अब सरकार को किस तरह चुनाव कराना है यह सरकार तय करेगी दूसरी तरफ मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और कह रहे हैं आरक्षण के साथ ही चुनाव होना चाहिए सरकार के लिए एक तरफ कुआं तो दूसरी तरफ खाई वाली कहावत चरितार्थ हो रही है बगैर ओबीसी का आरक्षण कराएंगे।

राजेंद्र कुमार ने मंदिर निर्माण के लिए 21 हजार रूपए स्वामी तेजानंद महाराज को सुपुर्द किये।

पुष्पाजंली टुडे

चित्तूर =-राजेन्द्रकुमार गुडापली जिला चित्तूर आन्द्रप्रेदश ने पेरीयपालीयम मे श्री लिलडीया भेरुजी श्री आईमाताजी आश्रम के लिए भूमि खरीदने के लिए स्वामी तेजानन्द के अकाउंट मे 21000/ भेजा इस महान योगदान के लिए राजेन्द्रकुमार का दिल से आभार वह हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभमगंल कामनाएं दी गई ।सर्वे समाज सेवादार स्वामी तेजानन्द वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल × प्रदेश अध्यक्ष तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन एम. के. बी. नगर पेरीयपालीयम उत्तकोटे तालुक जिला तिरुवलुर तमिलनाडु के सदस्यों ने राजेंद्र कुमार का आभार व्यक्त किया।

नगर पंचायत परिसर में मनाया गया स्वच्छता प्रेरणा महोत्सव कार्यक्रम,स्वच्छता संदेश को लेकर नगर में निकाली गई रैली

पुष्पांजलि न्यूज़ टुडे विवेक सेन पत्रकार इंदरगढ़ से,,,,,,,,

एंकर- अपने शहर को साफ और स्वच्छ बनाने के लिये दौडेगा मध्यप्रदेश,जीतेगा इन्दरगढ़। शीर्षक पर आधारित आयोजित कार्यक्रम में नगर में रैली निकालकर नगर परिषद प्रांगण पर स्वच्छता प्रेरणा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया,आज सुबह नगर परिषद इन्दरगढ़ द्वारा तीन किलो मीटर तक की दौड़ आयोजित की गई, जिसमे नगर के जनप्रतिनिधि ,दुकानदार भाई,समाजसेवी ,स्कूली बच्चे, शिक्षक, पत्रकार सहित नगर परिषद के समस्त कर्मचारियो ने भाग लिया । कार्यक्रम मंच पर बबलू यादव कीर्तन मंडल द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और नगर की साफ सफाई सहित कोरोना से बचाव को प्रेरित करने बाले गीत प्रस्तुत करते हुये नागरिकों प्रोत्साहित किया।स्वच्छता प्रेरणा कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष राम लखन सिंह गुर्जर, राधेलाल बघेल और लक्ष्मीकांत खरे ने स्वच्छता को लेकर वक्तव्य दिए,इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेंद्र सिंह यादव,नगर निरीक्षक परमानंद शर्मा,उपयंत्री नन्दकिशोर गोस्वामी, कार्यालय कर्मचारी हरेंद्र श्रीवास्तव, परसू दरोगा,नीरज छाडी सहित स्वक्छ्ता प्रभारी,स्कूली बच्चे और आमजन उपस्थित रहे ।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने जीरो वेस्ट इन्वेंट का महत्व बताते हुये नगर को साफ सुथरा रखने मे सहयोग की अपील की श्री यादव ने कहा कि नगर आप सबका है इसे साफ रखना हमारा कर्तव्य भी है और जिम्मेदारी भी अगर नगर साफ होगा तो बिमारी दूर रहेगी, कोरोना जैसी महामारी से मुकाबला तभी किया जा सकता है जब अपना शहर ,मुहल्ला और आसपास साफ-सफाई होगी।कार्यक्रम मे बडी टीवी स्क्रीन पर लाइव प्रशारण भी दिखाया गया।

प्रतिभाएं ही देश की शानः चौधरी

300 प्रतिभाएं हुई सम्मानित।

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सैणचा ब्यूरो सीफ

जोधपुर-बिलाड़ा कस्बे के उचियारड़ा में नेशनल हाइवे 25 पर स्थित श्री आईजी महिला महाविद्यालय में सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ ।इस मौके पर पाली लोकसभा सासंद पी पी चौधरी ने कहा कि जो प्रतिभाए सम्मानित हुई है वो समाज के साथ देश की शान है चेनाराम सीरवी ने कहा कि हर विद्यार्थी को अपने रुचि अनुसार सब्जेक्ट चुनकर आगे चलना चाहिए ।साथ ही राजकीय सेवा में लेफ्टिनेंट पद पर विकास काग ने कहा कि हर बच्चे को डिफेंस रक्षा एव सैन्य सेवाओ में आगे आने के लिए प्रेरित किया ।मंच का संचालन ,चंदरसिंह,धनाराम राठौड़, लीला सीरवी,ने किया।कार्यक्रम के भामाशाह शेषाराम, सुरेश,माधवसिंह पुत्र भवरलाल जी राठौड़ परिवार का मुख्य अतिथि द्वारा माला ओर साफा पहनाकर स्वागत किया गया 21 लाख की एम्बुलेंस की घोषणा बिलाड़ा क्षेत्र के सब बाबूलाल सीरवी की स्मृति में उन धर्मपत्नी मांगी देवी सीरवी ने सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति को 21 लाख रुपये की बड़ी एम्बुलेन्स की घोषणा की जो शीघ्र संस्था को शॉप दी जाएगी । इस कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी पी चौधरी, बी आर चौधरी कृषि विश्वविद्यालय कुलपति, कानाराम सीरवी निदेशक माध्य.शिक्षा राजस्थान,पुखराज सीरवी पूर्व मानवधिकार आयोग ,भूराराम सीरवी पी सी सी मेम्बर, रमेश सीरवी,प्रमोद सीरवी उपखण्ड अधिकारी ,सहित समाज की विभिन्न हस्तिया शिरकत की ।

प्रांतीय जिला समिति सम्मेलन शिवपुरी में आयोजित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी । विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित प्रांतीय जिला समिति सम्मेलन सरस्वती विद्या पीठ शिवपुरी में आयोजित किया गया। एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रांतीय सचिव वीरेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि हमारा लक्ष्य है प्रत्येक जिले को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने हेतु प्रयास करना। प्रति माह जिला समिति की कोर ग्रुप बैठक आयोजित करना, विद्यालय का प्रवास करना, जिले में न्यूनतम एक विद्यालय (आत्मनिर्भर) बनाएं। इसमें हम सबकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर हम सबको मिलकर यह संकल्प लेना होगा। जिससे हमारा जिला,विद्यालय स्वावलंबी बने,आदर्श बने। प्रांत प्रमुख ओमप्रकाश जांगलवा ने आर्थिक नीति,कार्यविस्तार, संसाधन वृद्धि, कौशल विकास, मूल्यांकन,स्वदेशी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विद्या दान, आचार्य प्रशिक्षण आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी एवं चर्चा हुई।

भाजपा महिला मोर्चा जिला शिवपुरी की बहनों ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्म जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया जी भाजपा जिला अध्यक्ष राजू बाथम जी भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शिवहरे जी के मार्गदर्शन में 25 दिसंबर 2021 शनिवार को शिवपुरी की महिला मोर्चा की सभी बहनों द्वारा करौंदी कॉलोनी आदिवासी बस्ती में पहुंच कर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री जी का जन्म दिवस मनाया गया भाजपा महिला मोर्चा की सभी बहनों ने सर्वप्रथम श्री अटल जी की प्रतिमा पर माला अर्पण कर दीप प्रज्वलित किया गरीब बस्तियों में जाकर अन्ना फल मिठाइयां पढ़ाई सामग्री एवं मास्क भी वितरण किए समस्त वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता बंधु एवं महिला मोर्चा की समस्त बहनें कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई बहनों द्वारा बच्चों और आदिवासी महिलाओं को अटल बिहारी वाजपेई की जीवन के बारे में भी बताया वह सुशासन के प्रतीक थे उन्होंने भारत को नई दिशा दी पूरे विश्व में भारत को नई पहचान दी अटल जी को पूरा देश व सभी राजनैतिक दल पसंद करते थे यह अपने आप में ही ऐतिहासिक है अटल जी की जयंती पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित कार्यक्रम आयोजित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया सभी बहने उपस्थित रही भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शिवहरे जिला उपाध्यक्ष मंजुला जैन भाजपा नेत्री विभा रघुवंशी श्रीमती चंद्र मेहता श्रीमती शशि जैन श्रीमती मिथलेश ओझा रिंकू कुशवाहा श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी श्रीमती उत्तरा तिवारी पूनम पुरोहित पल्लवी शर्मा लक्ष्मी कुशवाहा बबीता राठौर नीतू बाथम नीलू बाथम श्रीमती ज्योति यादव श्रीमती राधा ओझा श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव रश्मि सेन मोंटी बाथम और भी बहने उपस्थित रही

अम्बाह शहर में बिगड रही ट्रैफिक ब्यबस्था पुलिस के सामने से गुजर रहै बाहन प्रसासन मौन...

सड़क पर खड़े वाहन भी बढ़ा रहे समस्या आये दिन होरहै झगडै...

अम्बाह...पुलिस प्रसासन की सारी ब्यबस्था फैल चल रही है चाहै कोचिग हो या बैक के एटीएम चाहे हो चौराहै की कोतबाली की गुमटी आपको पुलिस वहॉ कभी नजर नही आयेगी यह श्रैय जाता है जिला पुलिस कप्तान साहब को जिनके इसारे मात्र से ब्यबस्थाये बनती है परन्तु सिपाई तक बात मानने को तैयार नही है थाना प्रभारी तो बडी चीज है ऊपर से नीचे तक नाद में भॉग घुली हुई है अम्बाह थाना प्रभारी ने तो अभी अम्बाह चौराहो पर बनी पुलिस की गुमठी तक नही देखी वह यह भी नही बता सकते कि पॉइन्ट कहा कहा लगते है अपनी कार के अलावा दूसरी शासन की गाडी में बैठे तक नही है अब शहर की ट्रैफिक ब्यबस्था तो राम भरोषे है दुकान दार दुकान के सामने ठैला लगावाकर ठैले बाले से पैसा लेरहा है और ठैले बाले व दुकान दार से सिपाई पैसे लेरहा अन्धेर नगरी चौपट्ट राजा टका सेर भाजी टका सेर खाजा दुकानदारों के अतिक्रमण के साथ ही अम्बाह नगर पालिका चौराहा व पोरसा चौराहै रोड पर ई रिक्सा चालक अधिक लाभ कमाने के चक्कर में बीच सड़क पर सवारी बैठाने के लिए अपने वाहनों को खड़ा कर लेते हैं जिससे मार्ग पर ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा होने लगती है। यह समस्या हर रोज उत्पन्न होती है। इनके खिलाफ पुलिस भी कार्रवाई करने से परहेज करती है और दूसरी तरफ वही सब्जी के ठैला रोड पर लगने वाले हाथ ठेला बीच सड़क पर दुकानों के सामने लगाए जा रहे हैं जिनसे दुकानदार महीना दारी वसूल करते हैं। ऐसे में दोनों सड़कों पर पल-पल जाम के हालात पैदा होते रहते हैं। इस कारण स्थानीय लोगों के साथ आवागमन करने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों को परेशानी हो रही है इधर डिवाइडर पर भी सजा ली जाती है दुकानें सब्जी मण्डी का यहा कोई औचित्य नही है पर जहां दुकानदारों ने सब्जी रखकर और ठेले वालों ने अपने ठेले लगाकर अतिक्रमण कर रखा है। वहीं कुछ लोगों ने तो रोड के बीचों-बीच बने डिवाइडर पर अपनी दुकानें सजा रखीं हैं। इसके अलावा वे आधा सामान दुकान के अंदर और आधा सामान रोड पर फैलाए रखते हैं।

स्थानीय निवासी सुदामा प्रसाद जी , रविप्रकाश राजौरिया, गजेन्द्र सिकरवार, आदि का कहना है कि इस दिनों पोरसा चौराहा और नगरपालिका चौराहे रोड के हालात काफी खराब हैं। स्थानीय व्यापारियों और ठेले वालों के द्वारा रोड पर किए गए अतिक्रमण से पैदल निकला भी मुश्किल हो गया है। नगर पालिका और पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। दो घंटे लगा रहा जाम स्थानीय लोगों बताते हैं कि गंज चूडी बाजार की रोड की स्थिति बहुत खराब है अतिक्रमण से 20 फीट चौड़ी रोड पर दोनों तरफ से सड़क घेर ली गई है। बीच में वाहन निकलने के लिए महज छह फीट का रास्ता शेष बचा है। सुबह चौड़ी दिखने वाली रोड दुकानें खुलते ही संकरी हो जाती है। इससे इस मार्ग पर बाजार में हर रोज जाम की स्थिति बनती रहती है। जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों को निजात दिलाने के लिए नगर में न तो नगर परिषद अधिकारियों ने ठोस कदम उठाए हैं और नहीं पुलिस प्रशासन द्वारा रोड से अतिक्रमण हटाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने किया नगर निगम ग्वालियर के अधिकारियों को सम्मानित

मिला 50 लाख का पुरूस्कार

उमाकान्त शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में ग्वालियर की 15 रैंक व गार्बेज फ्री सिटी के लिए इंदौर में आयोजित स्वच्छता सम्मान समारोह में ग्वालियर नगर निगम को 50 लाख रूपये का पुरूस्कार मिला। जिसमें स्वच्छता के आधार पर नगर निगम के अधिकारियों को कार्यक्रम में सम्मान दिया गया।यह सम्मान निगम के तत्कालीन आयुक्त श्री शिवम वर्मा व अपर आयुक्त श्री नरोत्तम भार्गव एवं नोडल ऑफिसर श्री केशव सिंह चौहान एवं श्रीमती राजकुमारी को इंदौर में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया।

कानून सेवा अधिकारी अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने बुजुर्ग महिला को पहुंचाया आश्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था के सचिव वासुदेव मिश्रा ने जानकारी दी कि गौरवशाली सामाजिक संस्था की संस्थापक अध्यक्ष एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कानून सेवा अधिकारी अधिवक्ता शिल्पा डोगरा के संपर्क में करीब 70 वर्ष की आयु की बुजुर्ग महिला बिट्टा देवी पत्नी स्वर्गीय लाखन सिंह निवासी ग्राम लक्ष्मणपुरा इटावा उत्तर प्रदेश ने आप बीती सुनाई की पति की मृत्यु के बाद तीन पुत्रों एवं एक पुत्री ने कृषि भूमि एवं सोने चांदी के आभूषण, मकान, नगद राशि को जब पुत्र दिनेश, उदयवीर,पुत्री निक्की बबली, उम्मी ने धीरे-धीरे हड़प लिया गया, अगर किसी संतान ने संपत्ति नहीं भी प्राप्त की तो ममतामई मां के भावनाओं, बलिदान एवं त्याग के साथ विश्वास एवं भरोसे को तोड़ कर दर-दर की ठोकरें खाने को विवश कर दिया गया, 6 माह तक बड़ी मुश्किल से अपना जीवन व्यतीत कर रही उक्त बुजुर्ग महिला की पुत्री बबली जो ग्वालियर में ही निवास कर रही है अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने संपर्क साध कर काफी समझाइश दी कि आप अपनी मां को अपने पास रखो सारा खर्चा मैं दूंगी फिर भी वह तैयार नहीं हुई लेकिन डोगरा ने हार नहीं मानी और कहा कि पास में ही मेरा ऑफिस है अगर तुम्हारे पास रखने को जगह नहीं है तो मेरे कार्यालय पर रह लेगी और मैं पूरी देखरेख करूंगी तुम भी समय-समय पर इन्हें खाने पीने की व्यवस्था करते रहना लेकिन फिर भी टस से मस ना होना शिल्पा डोगरा की पीड़ा असहनीय हो गई तब जाकर माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव से संपर्क साधा गया और 25 दिसंबर को उक्त महिला को आगे का जीवन सुखमय व्यतीत करने के लिए आश्रम में सहारा दिलाया गया। संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा ने माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव जी एवं सभी से विनम्र हाथ जोड़कर अपील की कि वृद्ध आश्रम का नाम अपना आश्रय एवं अन्य कोई नाम रखा जाए महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती रुचि राय ठाकुर सभी उपस्थिति जनों ने समर्थन किया।संस्था की संरक्षिका श्रीमती रीता डोगरा, संरक्षक इंजीनियर विजय शर्मा, दिनेश शर्मा, श्याम श्रीवास्तव,संस्था की अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा, संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष श्रीमती सपना पाल, वार्ड प्रभारी श्रीमती लक्ष्मी करन, वार्ड प्रभारी श्रीमती नीलम कुशवाह उक्त महिला आश्रम पहुंचाने में अथक प्रयास किए। डोगरा ने उक्त बुजुर्ग महिला को कहा कि दिन आप अपने बच्चों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने हेतु सहमत हो जाएगी उसी दिन निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराकर आपको न्याय दिलाने हेतु कभी पीछे नहीं हटूंगी।

तीन-चार दिन में एमपीपीएससी घोषित करेगा परीक्षा के नतीजे

भोपाल। मप्र लोकसेवा आयोग (पीएससी) के अटके परीक्षा परिणामों से परेशान साढ़े तीन लाख युवाओं को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। राज्यसेवा मुख्य परीक्षा 2019 और राज्यसेवा परीक्षा 2020 के परीक्षा परिणाम तीन से चार दिनों में जारी हो जाएंगे। पीएससी मुख्यालय में परीक्षा परिणाम तैयार करने का काम शुरू हो चुका है। आखिरी दौर की स्करूटनी जारी है। दो दिन में स्करूटनी का काम पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद पीएससी कभी भी परीक्षा परिणाम घोषित कर सकता है। मुख्य परीक्षा मार्च में आयोजित हुई थी जबकि कोरोना काल के बीच जुलाई में राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2020 आयोजित हुई थी। राज्यसेवा प्रारंभिक परीक्षा में 3 लाख 40 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने हिस्सेदारी की थी।

अभ्यर्थियों को मुद्रण एवं प्रकाशन की जानकारी देनी होगी

भोपाल। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश लवानिया ने पंचायत निर्वाचन में भाग ले रहे अभ्यर्थियों से कहा है कि वे प्रचार सामग्री के मुद्रण और प्रकाशन की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाए। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार निर्वाचन पम्पलेटो, पोस्टरों आदि के मुद्रण एवं प्रकाशन को प्रतिबंधित करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-27 क के उपबंधों द्वारा विनियमित किया गया है।जिले में स्थित समस्त मुद्रणालय एवं उनके स्वामियों तथा प्रकाशकों को आदेश प्रसारित किए है कि किसी भी पम्पलेट या पोस्टर मुद्रण, मुद्रित सामग्री पर मुद्रक तथा प्रकाशकों के नाम व पते का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए।

डॉ. मिश्रा ने दतिया एक परिचय पुस्तिका का किया विमोचन

भोपाल। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को दतिया की राजघाट कॉलोनी स्थित निवास पर दतिया एक परिचय पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुनकर मौके पर निराकरण भी किया। डॉ. मिश्रा ने गहोई वाटिका में वैश्य समाज द्वारा आयोजित नेत्र शिविर का शुभारंभ भी किया। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा प्रकाशित दतिया एक परिचय पुस्तिका जिले के नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों के लिये भी उपयोगी रहेगी। इससे जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की जानकारी हासिल की जाकर आसानी से पर्यटन स्थलों तक पहुँचा जा सकेगा। पुस्तिका में श्री पीताम्बरा पीठ, रतनगढ़ माता मंदिर, प्रतापगढ़ दुर्ग, जैन तीर्थ सोनागिर, वीर सिंह जूदेव महल के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ संकलित हैं।

नेशनल हैण्डलूम एक्सपो आज से 9 जनवरी तक हॉट बाजार में

भोपाल। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव में संत रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा नेशनल हैण्डलूम एक्स्पो 26 दिसम्बर से 9 जनवरी 2022 तक विकास आयुक्त हाथकरघा, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल हाट अरेरा हिल्स में आयोजित होगा। हैण्डलूम एक्स्पो में भारत के 15 राज्य की बुनकर सहकारी समितियाँ अपने-अपने राज्य के हाथकरघा वस्त्रों का विपणन करेंगी। प्रबंध संचालक संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव में केन्द्र और राज्य सरकार का प्रयास है कि स्थानीय उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा बाजार मुहैया कराया जाए। इससे स्थानीय कारीगरों को आर्थिक सहयोग के साथ भारतीय उत्पादों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान को स्थाई बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक्सपो में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दुकानदारों को दिए गये है।

सड़क से सदन तक किसानों व अंतिम छोर के व्यक्ति की लड़ाई जारी रखेगी कांग्रेस: मानसिंह

नवनियुक्त पदाधिकारियों का जिला कांग्रेस कार्यालय पर स्वागत हुआ

नवनियुक्त किसान कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाए पटवारी एवं रजिस्टारो पर रिश्वत लेने के गंभीर आरोप

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशन व पूर्व मंत्री व विधायक डॉ गोविंद सिंह की सहमति से भिंड जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा की अनुशंसा से प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर द्वारा गजेंद्र सिंह भदौरिया को किसान कांग्रेस कमेटी का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया,वही प्रदेश सचिव आशीष भारद्वाज को बनाया गया।इतना ही नहीं नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी को मनोनीत किया गया। इन सब के मनोनयन पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर शनिवार को प्रेस वार्ता बुलाई गई।जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर नवनियुक्त किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने शासन प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के साथ प्रदेश सरकार एवं प्रशासन छलावा कर रहा है।वही भदौरिया ने कहा कि किसानों की खाद समस्या एवं बाजरा खरीदी किसानों की समय पर नही की गई तो कांग्रेश किसानों की लड़ाई सड़कों पर लड़ने का काम करेगी।

भाजपा नहीं चाहती की अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले लाभ:मानसिंह

कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह ने बताया की सदन में सर्व सहमति से 27 परसेंट पिछड़ा वर्ग आरक्षण के साथ चुनाव होने का संकल्प पारित होने बाद भी चुनाव की स्थिति जस की तस बनी हुई है इससे स्पष्ट होता है मौजूदा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ही पिछड़ों और दलितों वह अंतिम छोर के व्यक्ति की लड़ाई लड़ने का काम किया है भाजपा की अनदेखी का जवाब आने वाले समय में जनता के द्वारा इनके खिलाफ सड़कों पर उतर कर दिया जाएगा।इतना ही नहीं जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की ओर से कोई जन समस्याओं को लेकर आवाज उठाई जाती है तो भाजपा के पेट में दर्द होता है और वह आचार संहिता का हवाला देकर चुनाव आयोग में शिकायत के लिए पहुंच जाती हैं जबकि कांग्रेस सिर्फ जनसमस्याओं और किसानों की समस्याओं को लेकर जिले भर में कार्य कर रही है। वही भाजपा नेता तंबू लगाकर रात दिन आर एस एस के शिविर लगाकर बैठे रहते हैं अगर बैठना है तो किसानों की समस्याओं को लेकर अगर तंबू लगाएं आज किसान परेशान हैं नौजवान परेशान हैं आमजन परेशान हैं।इस ओर भाजपा का कोई ध्यान नहीं है तथा प्रशासन के द्वारा भाजपा के लिए सारे नियम और कानूनों को दरकिनार कर दिया जाता है। इस दोहरी नीति वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कांग्रेस रोड़ों पर उतरेगी।

नवनियुक्त कांग्रेस किसान अध्यक्ष ने लगाए पटवारी एवं रजिस्टार पर गंभीर आरोप

नवनियुक्त कांग्रेस किसान जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह भदौरिया ने मेहगांव में पटवारियों एवं रजिस्ट्रार पर रिश्वत लेकर काम करने का आरोप लगाया लगाते हुए बताया कि इनके खिलाफ शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अधिकारी एवं कर्मचारियों को भाजपा का संरक्षण प्राप्त है जिसकी वजह से ये आम जनता का खून चूसने का काम कर रहे हैं।इस अवसर पर राहुल भदौरिया, राहुल सिंह कुशवाह, डॉ राधेश्याम शर्मा, संतोष त्रिपाठी,आशीष भारद्वाज, संदीप मिश्रा, ब्रजेन्द्र सिंह कल्लू भारौली,राम हर्ष सिंह भारौली, ममता मिश्रा, रेखा भदौरिया, रीना चौहान, गोविंद शाक्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

संकल्प मानव सेवा संस्था ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर रक्तदान शिवर का आयोजन किया

संजय सिंह तोमर रिपोर्टर

पीटीवी न्यूज़ खेरागढ़

आगरा पूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती पर बमरौली कटारा के सहयोग से संकल्प मानव सेवा संस्था ने मानव सेवा चेरिटेबल ब्लड बैंक के निर्देशन में रक्तदान शिवर का आयोजन किया संकल्प मानव सेवा संस्था के अध्यक्ष उमेन्द्र राजपूत ने बताया कि बमरौली कटारा में हर बर्ष पूर्व प्रधानमंत्री का जन्मदिन रक्तदान शिवर के साथ ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सर्वसमाज के लोग बढ़चढ़ कर रक्तदान करते हैं। जिसमे प्रधान उदय सिंह राणा के साथ समस्त टीम का योगदान रहता है। इसके साथ ही संस्था अध्यक्ष ने अपनी बात खत्म होने से पहले संस्था का नारा बोला

संकल्प मानव सेवा संस्था ने ली है ठान।

नही जाएगी किसी की रक्त के अभाव में जान।

प्रधान उदय सिंह राणा ने बताया कि में बर्ष में दो बार रक्तदान करता हूँ रक्तदान करने की बजह से आज में बिल्कुल स्वस्थ हूँ इसलिए में युवा साथियो से अपील करता हूँ कि रक्तदान बढ़चढ़ कर करना चाहिए आपके एक रक्त से तीन लोगों की जान बचती हैं। आयोजन में उपस्थित संस्था के महानगर अध्यक्ष राजीव कुशवाहा, शिवराम वर्मा पत्रकार राजेन्द्र अत्तरी सुरेश सिंह लोधी वीरेंद्र शर्मा संतोष राणा सुमित लोधी वीरेंद्र यादव मनीष बघेल अशोक वर्मा आदि रहे ।

पालतू डॉगी वफादार के बर्थडे पर लगा होर्डिंग

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में लगा एक होर्डिंग वायरल हो गया है. ये होर्डिंग एक डॉगी के बर्थडे पर जिले के मुलताई में लगाया गया है. उसमें बर्थडे वाले डॉगी के अलावा भी कई डॉगी शामिल किए गए हैं. इन्हें जो नाम दिए गए हैं, उसकी वजह से न केवल लोग इसे पसंद कर रहे हैं, बल्कि चर्चा भी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि डॉगी का ये होर्डिंग मुलताई के सबसे व्यस्त इलाके बस स्टैंड पर लगाया गया है. इसमें एक मुख्य डॉगी है, जिसे माला पहनाई गई है और बर्थडे की बधाई दी गई है. इसका नाम लिखा है वफादार. इसके साथ ही होर्डिंग में 11 दूसरे कुत्तों की भी फोटो लगाई गई है. इन सभी को नाम दिए गए हैं झांकीबाज, धोखेबाज, मौका परस्त, दलबदलू, चापलूस, खुजली, छर्रा, फेंकोलाल और पहचानो कौन।

शिवपुरी जिले के विद्यालयों में नियमित आनंद सभाएं 03 जनवरी से

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी-राज्य आनंद संस्थान द्वारा संचालित विविध कार्यक्रमों में से एक है आनंद सभा। जो कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जाता है। वर्तमान में शीतकालीन अवकाश शुरू होने के कारण 10 दिनों के लिए आनंद सभा स्थगित कर दी गई है। आगामी 3 जनवरी 2022 से चिन्हिंत विद्यालयों में चौथा चरण प्रारंभ किया जाएगा। आगे के चरणों में संकल्प की शक्ति, ध्यान की शक्ति, दृष्टिकोण का महत्व आदि महत्वपूर्ण विषयों पर आनंद सभा के सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिला आनंद संस्थान के डीपीएल श्री प्रेम प्रकाश सिरोलिया ने बताया कि जिले के पांच विद्यालय शासकीय हाई स्कूल डेहरवारा, शा.उ.मा.वि.खरई (तेंदुआ) शा.हाईस्कूल परिच्छा, शा.हाईस्कूल सतनवाड़ा, शा.उ.मा.वि.सिरसोद चयनित कर इनमें डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर प्रेम प्रकाश सिरोलिया द्वारा नियमित रूप से आनंद सभा का संचालन किया जा रहा है?। प्रति सप्ताह विद्यार्थी एक नए विषय से परिचित होते हैं। आनंद सभा की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से जीवन उपयोगी कठिन विषयों को भी छात्र आसानी से आत्मसात कर लेते हैं। अब तक इन विद्यालयों में ''जो भी दे सको'' शीर्षक के अंतर्गत हम किस प्रकार से दूसरों की सहायता कर सकते हैं, ''क्षमा करने-क्षमा मांगने की शक्ति'' शीर्षक के अंतर्गत हम अपनी गलती के लिए कैसे बड़ों से क्षमा मांग कर तथा अपने साथियों को क्षमा करके अपने मन का बोझ हल्का कर सकते हैं, ''कृतज्ञता की शक्ति'' शीर्षक अंतर्गत हम कैसे परिवार, समाज तथा प्रकृति से निरंतर प्राप्त हो रही सहायताओं अथवा सुविधाओं के लिए इनके प्रति कृतज्ञ हो सकते हैं, इन विषयों पर आनंद सभाएं की गई। खास बात यह है कि इन कठिन विषयों को कुछ गतिविधियों तथा कहानियों के माध्यम से एक संदेश के रूप में विद्यार्थियों को दिया जाता है।

एपी को बनाएंगे स्वच्छता में देश का नंबर वन राज्य

मुख्यमंत्री ने सभी शहरों और प्रदेश को नंबर वन बनाने के लिए दिलवाया संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का नंबर वन प्रदेश बनाया जाये। यह तभी संभव है जब हर शहर स्वच्छता के क्षेत्र में सक्रिय हिस्सेदारी निभाये और अपने-अपने शहरों को सबसे सुंदर और स्वच्छ शहर बनायें। मुख्यमंत्री ने नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रदेश को देश का नंबर वन प्रदेश बनाने का संकल्प दिलवाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर शहर को अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। इस विरासत को आगे ब?ाने तथा विकास में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये सभी शहर अपना-

अपना स्थापना दिवस मनाये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज इंदौर में राज्य स्तरीय स्वच्छता प्रेरणा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। महोत्सव में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 की तैयारियों का शंखनाद भी हुआ। महोत्सव में स्वच्छता प्रेरणा कार्यशाला भी हुई, जिसका सीधा प्रसारण सभी नगरीय निकायों में देखा गया। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पर्यटन, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, नगरीय प्रशासन एवं विकास राज्य-मंत्री ओ.पी.एस. भदौरिया, सांसद शंकर लालवानी, सहित विधायक जन-प्रतिनिधि वर्चुअली शामिल हुए। संचालक स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार विनय शंकर झा विशेष रूप से मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को स्वच्छता का अद्भुत गौरव मिला है। प्रदेश के शहरों ने ब?ी संख्या में देश में स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह हमारे लिए प?ाव नहीं है, इसे और आगे बढ़ाना है और प्रदेश को देश का सबसे सुंदर और स्वच्छ शहर बनाना है। इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है। सभी यह संकल्प लें कि हम अपने-अपने शहरों को सुंदर और स्वच्छ बनाएंगे।

जलधारी के काव्य संग्रह बनते-बिगड़ते रिश्ते का विमोचन

इन्दौर। इन्दौर प्रेस क्लब और मातृभाषा उन्नयन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ पत्रकार स्व. शशीन्द्र जलधारी के 10वें काव्य संग्रह बनते बिगड़ते रिश्ते पुस्तक का विमोचन प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागार में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर पांच वरिष्ठ साहित्य मनीषियों प्रतिष्ठित के.के. बिड़ला व्यास सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ इतिहासकार एवं साहित्यकार डॉ. शरद पगारे, वरिष्ठ निबंधकार नर्मदाप्रसाद उपाध्याय, वरिष्ठ कथाकार एवं कई सम्मानों से अलंकृत सूर्यकांत नागर, वरिष्ठ लघु कथाकार एवं क्षितिज संस्था के संस्थापक सतीश राठी और वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक मुकेश तिवारी को शाल-श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन, ख्यात कवि एवं साहित्यकार प्रो. सरोज कुमार और अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त श्रीमती मनीषा सोनी पाठक थी।

राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन ने अपने उद्बोधन में कहा कि रिश्ते हैं इसलिए रिसते हैं और इसीलिए बनते-बिगड़ते हैं।

तानसेन समारोह - 2021

हरिकथा, मिलाद और चादरपोशी के साथ हुई तानसेन समारोह की पारंपरिक शुरूआत

ग्वालियर। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठापूर्ण महोत्सव ÷तानसेन समारोह%% की शनिवार की सुबह पारंपरिक ढंग से शुरुआत हुई। यहाँ हजीरा स्थित तानसेन समाधि स्थल पर शहनाई वादन, हरिकथा, मिलाद, चादरपोशी और कव्वाली गायन हुआ। सुर सम्राट तानसेन की स्मृति में पिछले 96वर्ष से आयोजित हो रहे तानसेन समारोह में देश और दुनियाँ के ब्राम्हनाद के शीर्षस्थ साधक तानसेन समाधि परिसर से गान मनीषी तानसेन को स्वरांजलि अर्पित करने आए हैं।

तानसेन समाधि स्थल पर परंपरागत ढंग से रविवार की प्रातःवेला में उस्ताद मजीद खाँ एवं साथियों ने रागमय शहनाई वादन किया। इसके बाद ढोलीबुआ महाराज नाथपंथी संत श्री सच्चिदानंद नाथ जी ने संगीतमय आध्यात्मिक प्रवचन देते हुए ईश्वर और मनुष्य के रिश्तो को उजागर किया। उनके प्रवचन का सार था कि परहित से ब?कर कोई धर्म नहीं। अल्लाह और ईश्वर, राम और रहीम, कृष्ण और करीम, खुदा और देव सब एक हैं। हर मनुष्य में ईश्वर विद्यमान है। हम सब ईश्वर की सन्तान है तथा ईश्वर के अंश भी हैं। उन्होने कहा कि रोजा और व्रत, मुल्ला और पण्डित, ख्वाजा और आचार्य के उद्देश्य व मत एक ही है कि सभी नेकी के मार्ग पर चलें। ढोली बुआ महाराज द्वारा राग ÷मिश्र खमाज÷ में प्रस्तुत भजन के बोल थे ÷भज भज राधे गोविंदा÷ । उन्होंने प्रिय भजन ÷रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम÷ का गायन भी किया।

ढोलीबुआ महाराज की हरिकथा के बाद मुस्लिम समुदाय से मौलाना इकबाल लश्कर कादिरी ने इस्लामी कायदे के अनुसार मिलाद शरीफ की तकरीर सुनाई। उन्होंने कहा सबसे ब?ी भक्ति मोहब्बत है। उनके द्वारा प्रस्तुत कलाम के बोल थे ÷ तू ही जलवानुमा है मैं नहीं हूँ÷। अंत में हजरत मौहम्मद गौस व तानसेन की मजार पर राज्य सरकार की ओर से सैयद जियाउल हसन सज्जादा नसीन जी द्वारा परंपरागत ढंग से चादरपोशी की गई। इससे पहले जनाब फरीद खानूनी, जनाब भोलू झनकार,जनाब आरिफ अली, जनाब अल्लाह रक्खा एवं उनके साथी कब्बाली गाते हुये चादर लेकर पहुंचे। कव्वाली के बोल थे खास दरबार-ए-मौहम्मद से ये आई चादर।

तानसेन समाधि पर परंपरागत ढंग से आयोजित हुए इस कार्यक्रम मेंउस्ताद अलाउद्दीन खाँ कला एवं संगीत अकादमी के निदेशक श्री जयंत भिसे, एसडीएम श्री प्रदीप सिंह तोमर व डिप्टी कलेक्टर श्री यूनुस कुरेंशी तथा श्री अभिजीत सुखदाने व श्री राकेश अचल समेत अन्य कलारसिक, गणमान्य नागरिक व मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

आरंभ है प्रचंड बोल मस्तकों के झुण्ड

अटल स्मृति मंच द्वारा आयोजित एक शाम अटलजी के नाम कार्यक्रम में कवियों ने रोशन किए इंसानी जज्बात

ग्वालियर। अटल स्मृति मंच के तत्वावधान में आज जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में कविता, गीतों, मुक्तकों, गजलों के रुप में काव्य के रंग रोशन हुए। एक शाम अटलजी के नाम कवि सम्मेलन में कवियों, गीतकारों ने भाव और ओजपूर्ण शब्दों से अटलजी की पावन स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम में गायक, लेखक, व्यंग्यकार, रंगकर्मी और नाट्य निदेशक पीयूष मिश्रा ने अपने म्यूजिक बैंण्ड बल्लीमारान के साथियों के साथ एक से ब?कर चुटीले संवाद भरे गीतों से श्रोताओं को रसविभोर कर दिया। उनका आरंभ है प्रचण्ड बोल गीत पर पूरा सभागार रोमांचित हो उठा।

समारोह के प्रारंभ में सांसद विवेक शेजवलकर ने आमंत्रित कविगणों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर रामू भैया ने बताया कि अटल स्मृति मंच हर वर्ष रचनात्मक कार्यक्रमों से ग्वालियर के माटी के लाल भारत रत्न अटलजी को श्रद्धांजलि देता है। आज इस क?ी में यह कवि सम्मेलन इसका अगला पुष्प है।

कार्यक्रम में इसके बाद कवि सम्मलेन प्रारंभ हुआ। सबसे पहले कवियत्री भुवनमोहिनी ने अपनी रचनाओं से कवि सम्मेलन का आगाज किया। उनके शब्द थे-

कब चाहा इन आंखों ने जल गंगाजल सा दे देना
ख्वाब हमारी पलकों पर यूं मलमल सा दे देना
दोबारा गर जन्म मिले और रुप मिले गर औरत का
मेरी कोख के उपवन से एक फूल अटल सा दे देना

आगे क्रम में युवाओं के महबूब गीतकार अजहर इकबाल ने कवि सम्मेलन को को इन शब्दों से रोशन किया।

तेरे संसार से तंग आ गए हैं हम
हम इस आभार से तंग आ गए हैं
हमें चाहिए अब थो?ी सी घृणा
निरंतर आभार से तंग आ गए हैं हम

उनकी दूसरी रचना कुछ इस प्रकार रही

इतना संगीन पाप कौन करे
मेरे दुख पर विलाप कौन करे
चेतना मर चुकी है लोगों की
पाप पर पश्चाताप कौन करे

कविवर रंजीत चौहान के बोल थे-

ऐसे नजर हटी नजारा चला गया
पर इसमें हमारा एक ख्याब चला गया
बाकी के लोग पहले ही दिल से चले गए
आया जो लौट के वो दुबारा चला गया।

उनकी दूसरी कविता थी

बस इसी ख्याल से करवटे बदलने लगे
मेरे ख्याल में कहीं वो नींद में न चलने लगे

कवि सम्मेलन में प्रेम के मुक्तकों और गीतों को गाकर कविवर विष्णु सक्सेना ने पूरे सभागार से खूब प्रशंसा पायी।

दिल ए बीमार कहीं वो दवाएं दे दे
मैं सबपे प्यार लुटाउं वो दुआएं दे दे
ए मेरे रब मैं सांस सांस में महक जाउं
मेरी आवाज की खुशबू को वो दुआएं दे दे

उनका दूसरा मुक्तक सभागार को रोशन करने वाला रहा जिसके बोल थे-

तुम हमारी कसम तो दें हम तुम्हारी कसम तो दें

उनका एक और मुक्तक शानदार रहा जिसके बोल थे-

प्यास बुझ जाए तो शबनम खरीद सकता हूं
जख्म मिट जाए तो मलहम खरीद सकता हूं
मैं मानता हूं कि मैं नहीं कमा पाया दौलत
मगर तुम्हारा हर एक गम खरीद सकता हूं

कवि सम्मेलन में देर शाम तक गीतकार व नाटय निर्देशक पीयूष मिश्रा जी के म्यूजिकल बैण्ड ने एक से बढकर एक प्रस्तुतियों से सभागार को रोमांचित किया।

कार्यक्रम में प्रतीक्षा तांबे ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अंत में आभार विवेक चौहान ने जताया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर, सांसद विवेक नारायण शेजवलक, पूर्व मंत्रीगण-अनूप मिश्रा, ध्यानेन्द्र सिंह, बालेन्दु शुक्ला व पूर्व विधायकगण- रामबरन सिंह, रमेश अग्रवाल, घनश्याम पिरोनिया, भाजपा नेता वेदप्रकाश शर्मा, अरुण सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी सहित नगर के गणमान्यजन एवं स्कूल एवं कॉलेज के सैकों युवा मौजूद थे।

कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर के दृष्टिगत पुख्ता प्रबंध किए जाएं : केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि कोविड-19 की तीसरी लहर की संभावनाओं को देखते हुए उसकी रोकथाम के लिये हर संभव कदम उठाए जाएं। शतप्रतिशत लोग मास्क का उपयोग करें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। तीसरी लहर की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ऑक्सीजन, पलंग, दवाओं का पुख्ता प्रबंध किया जाए। हर स्थिति से निपटने के लिये अपने आप को प्रशासन तैयार रखे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने रविवार को फिजिकल कॉलेज में कोविड-19 के संबंध में अधिकारियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, एडीएम श्री इच्छित ग?पाले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में जितने भी ऑक्सीजन प्लांट तैयार हो गए हैं वे सब पूरी तरह से वर्किंग कंडीशन में रखें। इसके अतिरिक्त ऑक्सीजन भण्डारण की व्यवस्था भी अतिरिक्त रूप से की जाए। शासकीय अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी कोविड-19 की तीसरी लहर को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पलंगों की व्यवस्था की जाए। अस्पतालों में दवाओं का भण्डारण भी रखा जाए। नागरिक कोविड अनुरूप व्यवहार करें, इसके लिये प्रशासन जन जागरूकता के साथ-साथ दण्डात्मक कार्रवाई भी करे।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुए सभी व्यवस्थायें की गई हैं। 6 हजार से अधिक पलंगों की व्यवस्था भी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में सुनिश्चित की गई है। सभी ऑक्सीजन प्लांट चालू स्थिति में है और उनके संधारण की व्यवस्था भी की गई है। इसके अतिरिक्त बिलौआ और मालनपुर में ऑक्सीजन भण्डारण की अतिरिक्त व्यवस्था भी की गई है। कोविड अनुरूप व्यवहार नागरिक करें, इसके लिये निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग के माध्यम से भी चार वाहन संचालित कर लोगों को मास्क पहनने की समझाइश देने के साथ-साथ चालान की कार्रवाई भी की जा रही है।

(लाल बत्ती सरकार)

जहाँ पर परिवार में एक रहना लोग पसंद नही करते बही जोशी नगर में रहने वाले श्री सीताराम जोशी जी अपने सयुंक्त परिवार के साथ रह रहे हैं

इसमें 20 सदस्य अब भी साथ रहते है जिसकी बजय से आज के समय मे जोशी परिवार सयुंक्त परिवार की एक मिसाल बने हुये है

क्या है संयुक्त परिवार जाने जोशी परिवार से

आज के दौर में जहाँ लोग एकल परिवार पर ज्यादा भरोसा कर रहे है।जिसमे पति पत्नी और उनके बच्चे ही शामिल होते है । इसमे माता पिता व भाइयो व उनके बच्चों को शामिल नही किया जाता ।इसमे संयुक्त परिवार की संकल्पना दिखाई नही देती । ऐसे शहर में कुछ लोग आज भी संयुक्त परिवार की संकल्पना को साकार रूप देने में लगे है । इनमे से एक प्रसिद्ध उदहारण है जोशी नगर (भिंड) में रहने वाला जोशी परिवार ।जोशी नगर में रहने वाला जोशी परिवार । जोशी नगर में रहने वाले श्री सीताराम जोशी व स्वर्गीय रामकली जोशी के पाँच बेटे व उनकी पत्नियां और बच्चो की संख्या कुल मिलाकर 20 सदस्य है । आज भी घर मे बे बुजुर्ग यानि सीताराम जोशी व हाल ही में स्वर्गवासिय हुए राम कली जोशी का ही हुक्म सर आंखों पर रहता रहा । घर मे रहने वाली सभी महिलाएं सभी त्योहार पर बराबर की भूमिका निभाती है ।

यह है संयुक्त परिवार-

श्री सीताराम जोशी , हाल ही में स्वर्गवासिय हुई राम कली जोशी , उनके 5 पुत्र व बहुएं

1) दशरथ जोशी (व्यपारी)तथा उनकी पत्नी सुधा जोशी - 1 पुत्र

2) शिवमोहन जोशी(व्यपारी), उनकी पत्नी गिरजा जोशी - 2 पुत्र

3) सतीश जोशी (व्यपारी), उनकी पत्नी सावित्री जोशी - 2 पुत्र

4) मनोज जोशी (व्यपारी),उनकी पत्नी सीमा जोशी - 1 पुत्र व 1पुत्री

5) राजकुमार जोशी (अधिवक्तता) , उनकी पत्नी निधि जोशी - 1 पुत्र व एक पुत्री ।

।।संस्कारो की बजय से एक साथ रहना सीखा ।।

आज के दौर में किसी व्यक्ति का सपना अच्छी सरकारी नौकरी शादी करके कही जाकर सेटल होना होता है , वही सीताराम जी के 5 पुत्र व उनकी पत्नियां उनके पुत्रो व पुत्रियों में भी अलग रहने की बात मन मे नही लाये । आज भी घर के बे फैसले स्वयं सीताराम जोशी जी ही पुत्रो से चर्चा कर लेते है। इस घर के पुत्रों का कहना है कि हमे बचपन से ही एक सूत्र में रहने का संस्कार दिए गए है।

आपको बता दे कि सभी पुत्र पिता और माता से मिले संस्कारों से भिंड एवं गवालियर शहर का नाम रोशन कर रहे हैं सबसे छोटे पुत्र आरके जोशी उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ में कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं और जाने-माने अधिवक्ता भी वर्तमान में है साथ ही

जोशी परिवार प्लास्टिक उद्योग का व्यापार 1992 से करते चले आ रहे हैं एक ही घर में सभी सदस्य रह कर प्रेम पूर्वक रहते हैं सुबह का भोजन और शाम का भोजन एक साथ बैठकर करते हैं जोशी परिवार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि लाल बत्ती सरकार के नाम से प्रख्यात मंदिर की स्थापना घर के ऊपर कर रखी है जिसकी पूजा अर्चना सुबह शाम करने के उपरांत ही भोजन ग्रहण करते हैं प्रतिवर्ष 1 जनवरी को संत भंडारा का आयोजन भी हजारों की संख्या में कंबल वितरित कर वर्ष की शुरुआत करते हैं आपको बता दे कि लाल बत्ती सरकार के मंदिर में विगत 25 वर्षो से शुद्ध घी की दो अखंड ज्योति हमेशा प्रज्वलित रहती हैं जो कि आस्था की प्रतीक मान सकते है और आपको बता दे कि सीताराम जोशी , श्री रामकली जोशी पांच पुत्रों के अलावा तीन पुत्रियां जो कि सबसे बड़ी होने के कारण पहले ही विवाह होकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

हम सिर्फ इस तरह से जीवन जीने का मन मे विचार लाते है पर जीवन नही जीना चाहते है जबकि संयुक्त परिवार में जो खुशिया मिलती है वो शायद एकल परिवार में कभी नही मिल सकती है ये आप सभी जोशी परिवार से सीख ले सकते है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478